Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 224
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,14 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 योगी सरकार का स्कूल चलो अभियान...

5 गर्मियों में जल्दी थक जाते हैं? ये योगासन बढ़ाएंगे

7 कृतिका कामरा-गौरव के रिसेप्शन में पहुंचे

गुवाहाटी में बोले पीएम मोदी

भाजपा की डबल इंजन सरकार, असम के तेज विकास के लिए काम कर रही

गुवाहाटी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर असम के गुवाहाटी पहुंच गए हैं। खराब मौसम के कारण उनका कोकराझार दौरा रद्द हो गया है, अब वे वहां की परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम के दो दिवसीय दौरे के दौरान खराब मौसम की वजह से उनके कार्यक्रम में अचानक बदलाव करना पड़ा। प्रधानमंत्री का आज कोकराझार जाने का कार्यक्रम तय था, लेकिन उसे रद्द कर दिया गया, जिसके बाद पीएम गुवाहाटी पहुंचे। अधिकारियों के मुताबिक इलाके में खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया। गुवाहाटी पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी गुवाहाटी से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए असम के कोकराझार में 4,570 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने तीन नई रेल सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ₹मौसम खराब होने की वजह से मैं कोकराझार नहीं आ पा रहा हूं। मैं आप सभी का क्षमाप्रार्थी हूं। यहां गुवाहाटी से ही आपसे संवाद संभव हुआ है। मैं दिल्ली से निकला था आपके पास आने के लिए, लेकिन मुझे गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा और अब मैं यहां से आपके दर्शन भी कर रहा हूं और आपसे बात भी कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीए की डबल इंजन सरकार असम की विरासत के संरक्षण और असम के तेज विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। आज यहां इस कार्यक्रम में ही इस क्षेत्र के विकास के लिए 4,500 करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें से 1,100 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि बोडोलैंड की सड़कों के लिए खर्च होने जा रही है। 'असम माला अभियान' के तीसरे चरण से असम की रोड़ कनेक्टिविटी और अधिक सशक्त होगी। इससे पहले, पीएम मोदी ने 3,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली एक प्रमुख सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना 'असम माला 3.0' की शुरूआत की। इस योजना के तहत, अंतर-राज्यीय संपर्क को बेहतर बनाने और राष्ट्रीय राजमार्गों व ग्रामीण सड़कों के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए असम भर में 900 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) क्षेत्र में लगभग 1,100 करोड़ रुपए के निवेश से निर्मित छह सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनमें चार फ्लाईओवर और दो पुल शामिल हैं। इन परियोजनाओं से कोकराझार जिले में यातायात जाम कम करने और संपर्क, पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण आवागमन में सुधार लाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, पीएम मोदी ने कोकराझार जिले के बाशबारी में आवधिक मरम्मत (पीओएच) कार्यशाला की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने असम और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संपर्क सुधारने के उद्देश्य से शुरू की गई तीन नई रेल सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। इनमें कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस शामिल है, जो उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस, असम और पश्चिम बंगाल के बीच संपर्क को बेहतर बनाएगी। वहीं नारंगी-अगरतला एक्सप्रेस असम और त्रिपुरा के बीच संपर्क को सुधारते हुए यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए अंतर-राज्यीय यात्रा को सुगम बनाएगी।

संसद सत्र : लोकसभा में विपक्षी दलों के हंगामे पर भड़के रिजिजू

जनता इन्हें माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के हंगामे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्यों ने ऐसा नकारात्मक कारनामा किया है, इसके लिए जनता माफ नहीं करेगी। इस दौरान किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया। लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों ने एलपीजी की किल्लत को लेकर हंगामा किया और इस विषय पर चर्चा की मांग की। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देते हुए कहा, ₹बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में तय हुआ कि वित्त मंत्री अपना जवाब देंगी और इसके अलावा, निजी विधेयक को लेकर चर्चा होगी। लेकिन कांग्रेस हंगामा करके अपने सदस्यों के निजी विधेयक के समय को भी समाप्त करना चाहती है। राहुल गांधी का नाम लिए बिना किरेन रिजिजू ने कहा, ₹इनके नेता (राहुल गांधी) नहीं सुधरते हैं तो कांग्रेस के अन्य सदस्य भी नहीं सुधर रहे हैं। आज खुद लोकसभा स्पीकर ने बार-

बार कहा कि दो दिन अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद स्थिति सुधरनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस के सदस्य सुधरने के बजाय संसद परिषद में खाने-पीने का सामान लेकर अनुशासनहीनता का काम करते हैं। कांग्रेस के नेता (राहुल गांधी) ही ग्लास-थाली लेकर नाटक कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता सोचते हैं कि नाटकीय कामों से वे जनता का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन जनता विपक्षी सदस्यों की ऐसी हरकतों से नाराज है और इसीलिए ये लोग सत्ता में नहीं आ सकते हैं। रिजिजू ने आगे कहा, ₹कांग्रेस पार्टी में अब कोई ऐसा नहीं बचा है, जो अपने नेता (राहुल गांधी) को समझा सके। क्योंकि उनके नेता के साथ-साथ सारे कांग्रेसी सदस्यों का भी आचरण बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों के पास अभी भी समय है। उन्हें अपने आप में सुधार लाना चाहिए, वरना जनता फिर से सजा देगी। इस दौरान, सदन में पीठासीन संध्या राय ने भी विपक्ष के हंगामे पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने हंगामे पर कहा कि विपक्ष के सदस्यों का ये व्यवहार ठीक नहीं है। यह लोकतंत्र की मर्यादा के लिए भी ठीक नहीं है। जनता उन्हें देख रही है। संध्या राय ने कहा, ₹हम देश के युवाओं को क्या सीख दे रहे हैं?₹ इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

सार संक्षेप

तिरुमला लड्डू मामले में कोर्ट ने किया दखल देने से इनकार, याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुमला लड्डू विवाद के बारे में पोस्टर या सार्वजनिक बयानों के माध्यम से कथित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने संबंधी याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने लड्डू विवाद मामले में करोड़ों लोगों की भावनाओं को शांत करने के लिए चार अक्टूबर, 2024 को तिरुपति में लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय स्वतंत्र विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। न्यायालय ने इसके साथ ही यह स्पष्ट किया था कि अदालत को राजनीतिक युद्धक्षेत्र के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि इस सिलसिले में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 193 विपक्षी सांसदों ने लोकसभा और राज्यसभा में अलग-अलग नोटिस जमा किए हैं, जिसमें लोकसभा से 130 और राज्यसभा से 63 सांसद शामिल हैं। यह भारतीय संसदीय इतिहास में पहली बार है जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की ऐसी कार्रवाई की गई है। यह कदम मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में उठाया गया है, जिसमें इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां, आप और कुछ निर्दलीय सांसदों ने समर्थन दिया है विपक्ष ने नोटिस में सीईसी के खिलाफ 7 प्रमुख आरोप लगाए हैं। इनमें पक्षपातपूर्ण आचरण, चुनावी धांधली की जांच में जानबूझकर बाधा डालना, बड़े पैमाने पर मतदाता वंचित करना (मास डिसेनफ्रैंचाइजमेंट) और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को प्रभावित करना शामिल है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान लाखों वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा किया गया है, जिसे विपक्ष भाजपा को फायदा पहुंचाने की साजिश बता रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस अभ्यास की कड़ी आलोचना की थी और कहा था कि यह विपक्षी मतदाताओं को निशाना बनाने का प्रयास है। इसी तरह बिहार और अन्य राज्यों में भी एसआईआर को लेकर विवाद हुआ था, जहां विपक्ष ने इसे चुनावी धांधली का हिस्सा बताया।

संसद सत्रः एलपीजी पर लोकसभा में गतिरोध बरकरार

विपक्ष ने लगाए मोदी जी, एलपीजी के नारे, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने देश में एलपीजी की किल्लत के विषय को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में हंगामा किया, जिसके कारण सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही जब एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। उन्होंने मोदी जी, एलपीजी के नारे लगाए। पीठासीन सभापति संध्या राय ने शोर-शराबे के बीच आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा है कि सदन ठीक ढंग से चलना चाहिए, लेकिन कांग्रेस के नेता और उसके सांसद नहीं सुधर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज गैर-सरकारी कामकाज होना है। यह सरकार का कामकाज नहीं है, बल्कि सदस्यों का है। अगर कांग्रेस के नेता (राहुल गांधी) नहीं सुधर रहे हैं तो सांसद भी नहीं सुधर रहे हैं। रीजीजू ने दावा किया कि विपक्ष के नेता संसद परिसर में गिलास-थाली लेकर नाटक कर रहे हैं ताकि जनता का ध्यान आकर्षित कर सकें, लेकिन जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा करके ये लोग सत्ता में नहीं आ सकते। उन्होंने कहा, कांग्रेस में कोई नहीं बचा है तो इनके नेता को समझाए। इनके नेता के साथ कांग्रेस के सभी लोग बिगड़ गए हैं। संध्या राय ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, सदन को चलने दीजिए। देश की जनता देख रही है। यह लोकतंत्र की मर्यादा के लिए ठीक नहीं है। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने दोपहर 12 बजकर नौ मिनट पर सदन की बैठक अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, शुक्रवार सुबह 11 बजे भी कांग्रेस और विपक्ष के सदस्यों ने देश में एलपीजी गैस की कथित कमी के मुद्दे पर हंगामा किया जिसके कारण सदन की बैठक शुरू होने के करीब तीन मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया। इसी दौरान कांग्रेस के सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर देश में एलपीजी गैस की कथित कमी का मुद्दा उठा रहे थे। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इस मुद्दे पर कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने की बात कहते सुना गया। बिरला ने कहा कि प्रश्नकाल सदन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है और आज भी विपक्ष के आठ सांसदों के प्रश्न सूचीबद्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में जहां देश के मुद्दे, क्षेत्रों की समस्याएं उठाई जाती हैं, वहीं सरकार की जवाबदेही भी तय होती है। लोकसभा अध्यक्ष ने हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, आप कहते हैं कि बोलने का अवसर नहीं मिलता। जब आपको बात रखने का समय और अवसर दिया जाता है, तब आप बोलना नहीं चाहते, सदन में गतिरोध पैदा करना चाहते हैं जो संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल के बाद यदि सदस्य कोई मुद्दा उठाना चाहते हैं तो उठा सकते हैं।

जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से चौथी बार की बात, होर्मुज में भारत को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों को लेकर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ टेलीफोन पर अहम बातचीत की है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह चौथी बातचीत है। यह बातचीत ऐसे महत्वपूर्ण समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया में जारी भारी संकट के बीच भारतीय जहाज सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर आगे बढ़े हैं।होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान ने हाल के संघर्ष के दौरान इस मार्ग पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमले किए हैं, जिससे अमेरिका, यूरोप और इजरायल से जुड़े जहाजों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए चिंता बढ़ गई है। बातचीत के दौरान, ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने एस. जयशंकर को अमेरिका और इजरायली शासनश (इजरायल) द्वारा ईरान के खिलाफ की गई आक्रामकता और अपराधों से उत्पन्न ताजा स्थिति की विस्तार से जानकारी दी। अराघची ने स्पष्ट किया कि ईरानी सरकार, वहां की जनता और सशस्त्र बल हमलावरों के खिलाफ अपनी रक्षा के वैध अधिकार का प्रयोग करने के लिए पूरी तरह से दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों को ईरान के खिलाफ इस सैन्य आक्रामकता की निंदा करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्सप्लस को एक महत्वपूर्ण मंच बताया और आग्रह किया कि इस नाजुक मोड़ पर वैश्विक शांति व सुरक्षा के लिए ब्रिक्स को एक रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

दिल्ली में गर्मी का कहर शुरू, साल की सबसे गर्म सुबह दर्ज, प्रदूषण ने भी बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को इस साल की सबसे गर्म सुबह दर्ज की गई और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के सामान्य तापमान से 5.3 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, दिन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है और आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। केन्द्रवार आंकड़ों के अनुसार पालम में न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक है। लोधी रोड में 19.2 डिग्री

सेल्सियस (सामान्य से 5.2 डिग्री अधिक) और रिज क्षेत्र में 19 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक) दर्ज किया गया। अयानगर में न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.1 डिग्री अधिक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार 18 निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही, जबकि 26 केंद्रों पर यह मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है।

अगर नेहरू जी होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते :राहुल गांधी

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लखनऊ में सामाजिक परिवर्तन दिवस को संबोधित करते हुए कांशीराम के योगदान के याद किया और कहा कि अगर कांग्रेस ने अपने काम को सही तरह से किया होता तो कांशीराम जी कभी सफल न होते।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। जहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कांशीराम जयंती के अवसर पर आयोजित सामाजिक परिवर्तन दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांशीराम जी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीराम जी सफल हुए। अगर कांग्रेस

ठीक तरह से काम करती तो कांशीराम जी कभी सफल न होते। उन्होंने कहा कि अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते और अब भाजपा ने सरकार के 85 प्रतिशत हिस्से की अनदेखी की है। राहुल गांधी ने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में देख लीजिए, कार्पोरेट इंडिया में देख लीजिए, बड़ी-बड़ी कंपनियों के टॉप मैनेजमेंट की सूची निकालकर देख लीजिए आपको दलित, पिछड़ा और आदिवासी कहीं नहीं मिलेगा। किसी प्राइवेट अस्पताल में जाकर देख लीजिए। डॉक्टरों के नाम पढ़िए आपको एक दलित, पिछड़ा और आदिवासी नहीं मिलेगा। वहीं, मनरेगा मजदूरों की सूची निकाल लीजिए वहां पर 85 प्रतिशत दलित और पिछड़ा मिलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार में दलित, आदिवासी और ओबीसी के लिए मौके कम किए जा रहे हैं। इंटरव्यू से बच्चों को निकाला जा रहा है। उन्हें पब्लिक सेक्टर में मौका नहीं मिल पाता है। हम सभी की बराबरी चाहते हैं। 'पीएम मोदी संविधान की विचारधारा को नहीं मानते' राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान में हमारे देश के हजारों साल की विचारधारा है। इसमें सावरकर की विचारधारा नहीं है। गोडसे की विचारधारा नहीं है। इसलिए वो लोग इसे नहीं मानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ भी कह लें लेकिन वो संविधान की विचारधारा को नहीं मानते हैं।

मासिक धर्म पर विशेष अवकाश की मांग वाली याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने नीति बनाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सभी संस्थानों में महिलाओं के लिए सवैतनिक मासिक धर्म अवकाश की मांग करने संबंधी रिट याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि वह सभी हितधारकों के साथ परामर्श करके मासिक धर्म अवकाश नीति बनाने के लिए याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन पर विचार करे। अदालत ने चिंता व्यक्त की कि कानून के माध्यम से मासिक धर्म अवकाश को अनिवार्य करने से महिलाओं के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि यह नियोक्ताओं को महिलाओं को काम पर रखने से हतोत्साहित कर सकता है, जिससे कार्यबल में उनकी भागीदारी पर बुरा असर पड़ेगा। याचिकाकर्ता चाहता था कि शीर्ष न्यायालय यह सुनिश्चित करे कि महिलाओं को, चाहे वे छात्राएं हों या कामकाजी पेशेवर, मासिक धर्म के दौरान छुट्टी दी जाए। पीठ ने याचिकाकर्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की स्थिति पर भी सवाल उठाया और इस बात की ओर इशारा किया कि किसी भी महिला ने खुद अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया है।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले ममता का मास्टरस्ट्रोक, 5 नए विकास बोर्ड बनाने का ऐलान

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार जल्द ही मुंडा (अनुसूचित जनजाति), कोरा (अनुसूचित जनजाति), डोम (अनुसूचित जनजाति), कुंभकार (अन्य पिछड़ा वर्ग) और सदगोपे (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों का गठन करने जा रही है। ये समुदाय बंगाल की जीवंत संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। मैं उन सभी को हार्दिक बधाई देती हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य के हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार जल्द ही मुंडा (अनुसूचित जनजाति), कोरा (अनुसूचित जनजाति), डोम (अनुसूचित जनजाति), कुंभकार (अन्य पिछड़ा वर्ग) और सदगोपे (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों का गठन करने जा रही है। ये समुदाय बंगाल की जीवंत संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। मैं उन सभी को हार्दिक बधाई देती हूं। उन्होंने आगे कहा कि इन बोर्डों का उद्देश्य पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना और समुदायों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे। वे पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करेंगे और आगे सामाजिक-आर्थिक विकास लाएंगे। 2013 से हमने अपने कमजोर समुदायों के लिए ऐसे कई बोर्ड स्थापित किए हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करते हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि मां, माटी, मानुष के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का अर्थ है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि कोई भी समुदाय पीछे न छूटे। हमारा लक्ष्य सरल है: समावेशी प्रगति और अटूट समर्थन के माध्यम से हर चेहरे पर मुस्कान लाना। जय बांग्ला। यह 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले आया है, जहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी, जो पिछले चुनावों में 77 सीटें जीतने के बाद इस बार भी जीत हासिल करना चाहेगी।

योगी सरकार का स्कूल चलो अभियान 2026 1 अप्रैल से शुरू, हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य

लखनऊ,: प्रदेश में प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से योगी सरकार ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूल चलो अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। ह्लस्कूल चलो अभियानह्व इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से विशेष रूप से ड्रॉपआउट तथा आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान कर उनका नामांकन सुनिश्चित कराया जाएगा, ताकि प्रत्येक बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ सके। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अभियान का पहला चरण 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक तथा दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। मुख्य सचिव द्वारा जारी निदेर्शों में कहा गया है कि 3 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी बच्चों का आंगनवाड़ी/बालवाटिका में नामांकन तथा 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी बच्चों का कक्षा-1 में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही 7 से 14 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे सभी बच्चों का चिन्हीकरण किया जाए जो किसी कारणवश विद्यालय से बाहर हैं और उन्हें विद्यालयों में नामांकित कराया जाए। अभियान के तहत आंगनवाड़ी से कक्षा-1, कक्षा-5 से कक्षा-6, कक्षा-8 से कक्षा-9 तथा कक्षा-10 से कक्षा-11 में छात्रों का शत-प्रतिशत ट्रांजिशन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। निदेर्शों में कहा गया है कि स्कूल चलो अभियान प्रारंभ होने से पहले प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग और संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर विस्तृत रणनीति और कार्ययोजना तैयार की जाए। जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और अध्यापकों को आवश्यक निर्देश जारी कर अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए समाचार पत्रों, स्थानीय मीडिया, सोशल मीडिया, पोस्टर, बैनर, दीवार लेखन, रैलियों, प्रभात फेरियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही सांसदों, विधायकों, जिला पंचायत सदस्यों, ब्लॉक प्रमुखों, ग्राम प्रधानों, स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी अभियान से जोड़कर जनसहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। निदेर्शों में बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। घरेलू कार्यों, सामाजिक कारणों या विद्यालय की दूरी के कारण शिक्षा से वंचित रहने वाली बालिकाओं को विद्यालयों में नामांकित करने तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन कर उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप पठन-सामग्री तथा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि ह्लस्कूल चलो अभियानह्व को इस वर्ष और अधिक सुनियोजित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। इसके लिए शिक्षा विभाग के साथ-साथ स्वास्थ्य, बाल विकास, पंचायत राज और अन्य विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिलों में अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अभियान की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी बच्चे को दस्तावेजों के अभाव में प्रवेश से वंचित न किया जाए। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि नए शैक्षिक सत्र के पहले दिन बच्चों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया जाए और विद्यालय परिसर को आकर्षक एवं स्वच्छ बनाया जाए।

ट्रेनों के समय-पालन को इस आधार पर मापा जाता है कि कितनी प्रतिशत ट्रेनें तय समय सीमा के भीतर गंतव्य स्थान तक पहुँचती हैं - रेल मंत्री

गोरखपुर, : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में माननीय सांसद भीम सिंह के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि ट्रेनों के समय-पालन को इस आधार पर मापा जाता है कि कितनी प्रतिशत ट्रेनें तय समय सीमा के भीतर गंतव्य स्थान तक पहुँचती हैं और सरकार ने इसे बेहतर बनाने के लिए कई रणनीतियाँ अपनाई हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे ने आई.टी.-आधारित निगरानी प्रणालियों और कोहरे से सुरक्षा उपकरणों सहित कई उन्नत तकनीकी उपकरण पेश किये हैं, साथ ही विस्तृत परिचालन विश्लेषण के माध्यम से समय-सारिणी में मौजूद ढांचागत मुद्दों को भी हल किया है। रेल मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि रिमोट डायग्नोस्टिक्स और आई.ओ.टी.-आधारित प्रणालियों के जरिये रखरखाव के तरीकों में काफी सुधार हुआ है, जिससे ट्रेनों की विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने आगे कहा कि आई.सी.एफ. कोचों को ज्यादा विश्वसनीय एल.एच.बी. डिजाइन में बदलने का काम अब 90 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है, जिससे संरक्षा एवं परिचालन दक्षता में सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक कोचों से आधुनिक ट्रेन सेटों की ओर बदलाव-जिनके लिए अलग से लोकोमोटिव (इंजन) की जरूरत नहीं होती-ने विश्वसनीयता को और बढ़ाया है। प्रतिदिन लगभग 50,000 ट्रेनें चलाने के बावजूद मदुरै, जोधपुर, हुबली, भावनगर, कोटा, इज्जतनगर, रतलाम एवं अजमेर जैसे कई मंडलों ने 90-95 प्रतिशत से ज्यादा समय-पालन का स्तर दर्ज किया है, जबकि कुल राष्ट्रीय स्तर पर समय-पालन लगभग 70 प्रतिशत है। मंत्री ने कहा कि भारत का प्रदर्शन फ्रांस, जर्मनी एवं इटली जैसे कई यूरोपीय देशों के बराबर है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे का लक्ष्य समय-पालन के मामले में जापान के मानक तक पहुँचना है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान से अपनाई गई छः सप्ताह की अग्रिम रखरखाव योजना जैसी पद्धतियों के सकारात्मक परिणाम अभी से दिखने लगे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर ट्रेनों को समय-पालन 75.74 प्रतिशत है, जिसमें इज्जतनगर मंडल का 90.54 प्रतिशत, लखनऊ मंडल का 77.36 प्रतिशत तथा वाराणसी मंडल का 71.57 प्रतिशत है।

प्रधानमंत्री असम और नॉर्थईस्ट में 1,400 से ज्यादा के बड़े रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन प्रोजेक्ट्स को समर्पित करेंगे

गोरखपुर: इंडियन रेलवे असम और बड़े नॉर्थईस्ट इलाके में कनेक्टिविटी, एफिशिएंसी और इकोनॉमिक ग्रोथ को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाने वाला है, क्योंकि 13-14 मार्च को प्रधानमंत्री के राज्य दौरे के दौरान कई रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन, देश को समर्पित और लॉन्च किया जाएगा। ये पहलें इस इलाके में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मॉडर्न बनाने, पैसेंजर मोबिलिटी को बेहतर बनाने, ट्रेड को सपोर्ट करने और यह पक्का करने के लिए एक बड़े कदम का हिस्सा हैं कि नॉर्थईस्ट नेशनल रेलवे नेटवर्क के साथ और भी आसानी से जुड़ जाए। एक अहम डेवलपमेंट फुरकाटिंग-तिनसुकिया रेल लाइन डबलिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास है, जो 194 किलोमीटर तक फैला है। यह कॉरिडोर ऊपरी असम में एक जरूरी रेल रूट है और अभी सिंगल लाइन के तौर पर चल रहा है, जिससे ट्रेनों की आवाजाही कम होती है और अक्सर जाम लगता है। लाइन को डबल करने से कैपेसिटी काफी बढ़ जाएगी, जिससे ज्यादा पैसेंजर और मालगाड़ियां एक साथ चल सकेंगी। इस अपग्रेड से चाय, लकड़ी, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स और खेती के सामान जैसी चीजों का ट्रांसपोर्ट आसान होने की उम्मीद है, साथ ही आने-जाने वालों के लिए यात्रा को आसान बनाने में भी मदद मिलेगी। कोकराझार जिले में, बशबारी में एक पीरियोडिक ओवरहॉलिंग (ढडल्ह) वर्कशॉप का भी शिलान्यास किया जाएगा। यह फैसिलिटी नॉर्थईस्ट में रेलवे मेंटेनेंस इकोसिस्टम को बेहतर बनाएगी, क्योंकि इससे इलाके में ही कोच और वैगन की रिपेयर और सर्विसिंग हो सकेगी। अभी, इस काम के लिए ज्यादातर ट्रेनों को दूर की वर्कशॉप में भेजना पड़ता है, जिससे डाउनटाइम बढ़ जाता है। नई वर्कशॉप रोलिंग स्टॉक के लिए टर्नअराउंड टाइम कम करेगी, ऑपरेशनल एफिशिएंसी में सुधार करेगी और लोकल रोजगार के मौके पैदा करेगी। इलाके में सस्टेनेबल रेलवे ऑपरेशन को मजबूत करते हुए, प्रधानमंत्री देश को कई बड़े रेल इलेक्ट्रिफिकेशन प्रोजेक्ट्स समर्पित करेंगे। इनमें रंगिया-मुरकोंगसेलेक लाइन (558 ¹), चपरमुख-डिब्रूगढ़ लाइन (571 ¹) और बदरपुर-सिलचर और बदरपुर-चुराईबाड़ी लाइन (315 ¹) का इलेक्ट्रिफिकेशन शामिल है। कुल मिलाकर, ये प्रोजेक्ट्स 1,400 किलोमीटर से ज्यादा नए इलेक्ट्रिफाइड रेलवे ट्रैक को दिखाते हैं। इलेक्ट्रिफिकेशन से डीजल ट्रैक्शन पर डिपेंडेंस कम करते हुए तेज और ज्यादा एनर्जी एफिशिएंट ट्रेनें चल पाएंगी। यह पर्यावरण के हिसाब से टिकाऊ रेलवे ऑपरेशन को भी सपोर्ट करेगा और नॉर्थईस्ट के रेल नेटवर्क को भारत के इलेक्ट्रिफाइड रेल सिस्टम के साथ पूरी तरह से इंटीग्रेशन के करीब लाएगा। कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए, नॉर्थईस्ट के अंदर और इस इलाके और देश के दूसरे हिस्सों के बीच यात्रा के ऑप्शन को बेहतर बनाने के लिए तीन नई ट्रेन सर्विस शुरू की जाएंगी। कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस नॉर्थईस्ट और दक्षिणी भारत के बीच सीधा रेल लिंक बनाएगी, जिससे बिजनेस, टूरिज्म और तीर्थयात्रा के लिए यात्रा आसान हो जाएगी। गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस पूर्वी भारत के सबसे बिजी इंटरसिटी रूट में से एक को मजबूत करेगी, जिससे असम और पश्चिम बंगाल के बीच यात्रा करने वाले स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और परिवारों को फायदा होगा। नारंगी-अगरतला एक्सप्रेस असम और त्रिपुरा के बीच रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, जिससे नॉर्थईस्ट की ट्रांसपोर्ट रीढ़ मजबूत होगी और ज्यादा रीजनल इकोनॉमिक इंटीग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा। ये नई पहल पिछले दस सालों में असम और नॉर्थईस्ट में रेलवे डेवलपमेंट में हुई काफी तरक्की पर आधारित हैं। 2014 से, इस इलाके में लगभग 1,900 किलोमीटर नई रेलवे लाइनें बनाई गई हैं। सालाना रेलवे बजट एलोकेशन में काफी बढ़ोतरी हुई है, जो 2009-14 के दौरान ?2,122 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में ?11,486 करोड़ हो गया है, जो नॉर्थईस्ट में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने और मॉडर्न बनाने पर सरकार के लगातार फोकस को दिखाता है। अभी, इस इलाके में अलग-अलग स्टेज में ?72,000 करोड़ से ज्यादा के रेलवे प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, जिनमें नई रेलवे लाइनें बनाना, स्टेशन मॉडर्नाइजेशन और सुरक्षा से जुड़े जरूरी काम शामिल हैं। रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन में भी काफी तरक्की हुई है, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम जैसे राज्यों ने पहले ही 100 परसेंट इलेक्ट्रिफिकेशन हासिल कर लिया है। असम भी इस माइलस्टोन को पूरा करने के करीब है। सुरक्षा बढ़ाने के लिए, लेवल क्रॉसिंग खत्म करने और एक्सीडेंट के खतरे को कम करने के लिए पूरे इलाके में 500 से ज्यादा रेल फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए हैं।

प्रधानमंत्री 14 मार्च को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे

गोरखपुरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 मार्च 2026 को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 2 बजे कोलकाता में लगभग 18,680 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे। क्षेत्र में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, प्रधानमंत्री लगभग 16,990 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 420 किलोमीटर से अधिक की कुल लंबाई वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उद्घाटन की जा रही परियोजनाओं में पश्चिम बंगाल और झारखंड में एनएच-19 और पश्चिम बंगाल में एनएच-114 के खंड शामिल हैं। इन परियोजनाओं से सड़क सुरक्षा में सुधार, यात्रा समय में कमी, भीड़भाड़ और प्रदूषण में कमी, क्षेत्रीय संपर्क में वृद्धि, पर्यटन को बढ़ावा और क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री कई नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें एनएच-116ए के 231 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खड़गपुर-मोरग्राम आर्थिक गलियारे के पांच पैकेज शामिल हैं। यह परियोजना खड़गपुर और सिलीगुड़ी के बीच आर्थिक गलियारे का हिस्सा है और पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुरा, हुगली, पूर्वी बर्धमान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों से होकर गुजरेगी। खड़गपुर-मोरग्राम के बीच सीधी कनेक्टिविटी से यात्रा की दूरी लगभग 120 किलोमीटर कम हो जाएगी और यात्रा समय में लगभग सात से आठ घंटे की बचत होगी। यह गलियारा एनएच-16, एनएच-19, एनएच-14 और एनएच-12 सहित प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों से भी जुड़ेगा, जिससे मल्टी-कॉरिडोर कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री एनएच-14 पर 5.6 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले दुबराजपुर बाईपास के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे, जिससे दुबराजपुर शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में यातायात कम होगा और यात्रा समय में लगभग एक घंटे की कमी आएगी। वह एनएच-14 पर कांगशबाती और शिलाबाती नदियों पर बनने वाले अतिरिक्त चार लेन वाले प्रमुख पुलों के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री इस यात्रा के दौरान कई जहाजरानी और बंदरगाह संबंधी परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे। वे हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स के बर्थ नंबर 2 के मशीनीकरण परियोजना का उद्घाटन करेंगे, जिससे कुशल, तेज और पर्यावरण के अनुकूल माल ढुलाई संभव हो सकेगी। यह परियोजना माल ढुलाई क्षमता को बढ़ाएगी, कुशल फुल-रेक रेल लोडिंग सिस्टम को सुगम बनाएगी, प्रमुख निष्पादन संकेतकों में सुधार करेगी, खतरनाक कार्यों में मानव जोखिम को कम करके सुरक्षा बढ़ाएगी और रोजगार सृजित करेगी। प्रधानमंत्री खिदरपुर डॉक्स (डॉक 1 - पश्चिम) में जीर्णोद्धार परियोजना का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री राज्य में कई बंदरगाह अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इनमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह के हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स में बर्थ नंबर 5 का मशीनीकरण शामिल है। अन्य परियोजनाओं में कोलकाता डॉक सिस्टम में बैस्क्यूल ब्रिज का नवीनीकरण; किडरपोर डॉक-क (पूर्व) और डॉक-कक्क (पूर्व) में जल निकासी प्रणालियों सहित यार्ड विकास; हावड़ा ब्रिज के स्तंभ से निमतला घाट तक कोलकाता नदी तट पर तटबंध संरक्षण कार्य; और कोलकाता डॉक सिस्टम में इंडेंचर मेमोरियल कॉम्प्लेक्स के पास एक नदी क्रूज टर्मिनल और नदी पर्यटन सुविधा के लिए टर्मिनल भवन का निर्माण शामिल है। रेल सेक्टर में, प्रधानमंत्री पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) एक्सप्रेस को झंडी दिखाएंगे, जिससे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच रेल कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी। प्रधानमंत्री अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्निर्मित छह रेलवे स्टेशनों का भी उद्घाटन करेंगे। इन स्टेशनों में कामाख्यागुरी, अनारा, तामलुक, हल्दिया, बरभूम और सिउरी शामिल हैं। प्रधानमंत्री दो रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगेः बेल्डा और दंतान के बीच 16 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन और कलाइकुंडा और कनिमोहुली के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली। इन परियोजनाओं से ट्रेनों की सुरक्षा और समयबद्धता में सुधार होगा, भीड़ कम होगी और क्षेत्र में यात्रियों के लिए यात्रा की सुगमता बढ़ेगी। ये पहलें पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने सदस्य/इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड विवेक कुमार गुप्ता का स्वागत किया

गोरखपुर,: रेलवे बोर्ड के सदस्य/इंफ्रास्ट्रक्चर एवं पदेन सचिव, भारत सरकार श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 13 मार्च,2026 को पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय, गोरखपुर के एक दिवसीय दौरे के दौरान गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोरखपुर जं. स्टेशन के पुनर्विकास सम्बन्धी कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। श्री गुप्ता ने प्लेटफॉर्म सं. 9 की ओर चल रहे निर्माण कार्यों का गहनता से अवलोकन किया तथा कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के उपरान्त सदस्य/इंफ्रास्ट्रक्चर श्री विवेक कुमार गुप्ता ने महाप्रबंधक सभाकक्ष, गोरखपुर में पूर्वोत्तर रेलवे तथा उत्तर मध्य रेलवे के इंजीनियरिंग, निर्माण तथा सिगनल विभाग के प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रही विकास परियोजनाओं पर विस्तार से गहन चर्चा किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि संरक्षा भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होने समपारों पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि गेटमैनों द्वारा गेट संरक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित हो। साथ ही समपार फाटकों पर होने वाले टी.वी.यू. सेन्सस को बेहतर तरीके से किया जाए। सदस्य/इंफ्रास्ट्रक्चर ने महत्वपूर्ण समपारों पर ए.आई. इनबिल्ट कैमरे लगाये जाने हेतु निर्देशित किया। श्री गुप्ता ने पूर्वोत्तर रेलवे तथा उत्तर मध्य रेलवे पर चल रही विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को समय से तथा पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया साथ ही साथ आने वाले गर्मी के मौसम में कार्यस्थल पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में कर्मचारियों तथा सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित एवं जागरूक करने पर बल दिया। उन्होंने फायर प्रिपेयरडनेस पर इंटर्नल ऑडिट कराने का निर्देश दिया। कार्यो के गुणवत्ता पर चर्चा करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि आपके कार्यो, आपके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं तथा आपके परफार्मेंस की गुणवत्ता हमेशा ही उच्च कोटि की होनी चाहिए। उन्होंने लूप लाइन में गाड़ियों की गति 30 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 40 किमी प्रति घंटा किये जाने के लिए आवश्यक कार्य करने हेतु दिशा निर्देश दिये। सदस्य/इंफ्रास्ट्रक्चर श्री गुप्ता ने कहा कि दोहरीकरण एवं तीसरी लाइन का कार्य समग्र प्लानिंग के साथ किया जाना चाहिए, ताकि बेहतर तरीके से कार्य कर इसमें और अधिक सुधार किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों तथा कर्मचारियों में स्किल डेवलपमेंट हेतु प्रॉपर ट्रेनिंग दिये जाने के साथ ही साथ समय समय पर उनकी काउंसलिंग किये जाने का सुझाव दिया। श्री गुप्ता ने सभी को सेफ्टी, क्वालिटी, मोबेलिटी एवं स्कील डेवलपमेंट (एस.क्यू.एम.एस.) का संदेश देते हुए कहा कि हम सभी को सेफ्टी, क्वालिटी, मोबेलिटी तथा स्कीलिंग को सर्वोच्च रखने का मंत्र अपनाते हुए भारतीय रेल को नई ऊँचाई पर ले जाने में अपना अमूल्य योगदान देना चाहिए। महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने सदस्य/इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड श्री विवेक कुमार गुप्ता का स्वागत किया।

ताजा खबर...

अब तक हमने भारतीय रेल पर लगभग 80 प्रतिशत ट्रैक को अपग्रेड कर चुके हैं - अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर,: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में माननीय सांसद श्री पी. विल्सन के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि अब तक हमने भारतीय रेल पर लगभग 80 प्रतिशत ट्रैक को अपग्रेड कर चुके हैं। ट्रैक अपग्रेडेशन एक बहुत बड़ा कार्य है, जिसे हमने पिछले दशक में शुरू किया है। पहले के समय के विपरीत, जब ट्रैक इतनी तेजी से अपग्रेड नहीं होते थे, अब ट्रैक अपग्रेडेशन का कार्य बहुत ही गंभीरता से किया जा रहा है और इसके बहुत अच्छे नतीजे भी सामने आये हैं। आज, लगभग 79.7 प्रतिशत या 79.8 प्रतिशत यानी लगभग 80 प्रतिशत ट्रैक को 110 किमी./घंटे की गति के लिये अपग्रेड कर दिया गया है तथा लगभग 50 प्रतिशत ट्रैक को सेमी-हाई स्पीड के लिये अपग्रेड किया गया है। माननीय सदस्य ने जो बात उठाई है, वह 130 किमी/घंटे तक की गति से सम्बन्धित है। इसके साथ ही, हमने बुलेट ट्रेन परियोजनायें भी शुरू की हैं। सात नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है, और चेन्नई को इनमें से दो परियोजनायें मिल रही हैं, जिसमें पहली चेन्नई से हैदराबाद तक तथा दूसरी चेन्नई से बेंगलुरु तक है और इस चेन्नई-बेंगलुरु परियोजना के साथ, दोनों शहरों के बीच की दूरी वास्तव में बहुत कम हो जायेगी। चेन्नई से बेंगलुरु तक का सफर अब सिर्फ 73 मिनट का रह जायेगा। स्वीकृत 07 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 02 उत्तर प्रदेश में हैं तथा 01 बिहार होकर गुजरेगी, यह परियोजना दिल्ली-वाराणसी एवं वाराणसी-सिलीगुड़ी वाया पटना के लिये स्वीकृत है। वाराणसी-सिलीगुड़ी वाया पटना हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बिहार होकर गुजरेगी।

रेलवे ने पहले ही आई.आई.टी., मुम्बई तथा आई.आई.टी., मद्रास जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ-साथ अन्य शोधकताओं को रेलवे समय सारिणी एवं नेटवर्क संचालन का विश्लेषण और उसे बेहतर बनाने के काम में लगाया - रेल मंत्री

गोरखपुर,: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में माननीय सांसद डा. के. लक्ष्मण के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि रेलवे ने पहले ही आई.आई.टी., मुम्बई तथा आई.आई.टी., मद्रास जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ-साथ अन्य शोधकताओं को रेलवे समय सारिणी एवं नेटवर्क संचालन का विश्लेषण और उसे बेहतर बनाने के काम में लगाया है। उन्होंने बताया कि आई.आई.टी., मुम्बई ने समय सारिणी को बेहतर बनाने पर काफी काम किया है, जिसे अब रेलवे सूचना प्रणाली के द्र (सी.आर.आई.एस.) द्वारा लागू किया जा रहा है, ताकि रियल-टाइम डेटा अपडेट और बेहतर नेटवर्क प्रबन्धन सुनिश्चित किया जा सके। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे नेटवर्क का प्रबन्धन करना बेहद जटिल कार्य है, क्योंकि यात्री और मालगाड़ियों के मिले-जुले नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 25,000 ट्रेनें चलती हैं। उन्होंने आगे कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया एवं ताइवान जैसे देशों ने यात्रियों के लिये अलग से कॉरिडोर बनाकर अपनी कार्यक्षमता में सुधार किया है, जबकि मालगाड़ियों के लिये पारंपरिक पटरियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसी तरह का तरीका अपनाते हुये, सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में सात नये हाई-स्पीड यात्री कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है, ताकि पूरे नेटवर्क में कार्यक्षमता और समय-पालन को और बेहतर बनाया जा सके। स्वीकृत 07 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 02 उत्तर प्रदेश में हैं तथा 01 बिहार होकर गुजरेगी, यह परियोजना दिल्ली-वाराणसी एवं वाराणसी-सिलीगुड़ी वाया पटना के लिये स्वीकृत है। वाराणसी-सिलीगुड़ी वाया पटना हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बिहार होकर गुजरेगी।

भारतीय रेलवे ने पश्चिम बंगाल में इंफ्रास्ट्रक्चर और यात्री सेवाओं में बड़े सुधार के साथ कनेक्टिविटी और यात्री सुविधा के एक नए चरण की शुरूआत की है

गोरखपुर : भारतीय रेलवे पश्चिम बंगाल में कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाओं और परिचालन दक्षता को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री की 14 मार्च, 2026 को होने वाली यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण रेलवे पहलों का उद्घाटन और शुभारंभ करने जा रहा है। ये परियोजनाएं रेल मंत्रालय के क्षमता विस्तार, यात्रा अनुभव में सुधार और आधुनिक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से क्षेत्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देने पर निरंतर फोकस को दर्शाती हैं। इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) एक्सप्रेस का शुभारंभ होगा, जिससे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। पश्चिम बंगाल के कम कनेक्टिविटी वाले जिलों में से एक पुरुलिया के निवासियों के लिए, यह सेवा पहली बार राष्ट्रीय राजधानी के लिए सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उम्मीद है कि यह नया संपर्क पूर्वी भारत और उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे उत्तरी राज्यों के बीच अक्सर यात्रा करने वाले छात्रों, श्रमिकों और परिवारों सहित यात्रियों के लिए यात्रा को काफी आसान बना देगा। कई बार ट्रेन बदलने और लंबे यात्रा मार्गों पर निर्भरता कम करके, यह नई सेवा अधिक सुविधा, यात्रा के समय में कमी और रोजगार एवं शिक्षा के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगी। अमृत ??भारत स्टेशन योजना के तहत छह पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन से राज्य में यात्री सुविधाओं को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। कामाख्यागुरी, तामलुक, हल्दिया, बरभूम, अनारा और सिउरी के स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है और इनमें उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पुनर्निर्मित स्टेशनों में बेहतर प्रतीक्षा क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुगम आवागमन क्षेत्र और लिफ्ट एवं एस्केलेटर जैसी सुलभ सुविधाएं मौजूद हैं। इन सुधारों का उद्देश्य यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक, सुलभ और सुखद यात्रा का वातावरण तैयार करना और स्टेशन के समग्र अनुभव को बेहतर बनाना है। प्रमुख रेल मार्गों पर रेल क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से, बेल्डा और दंतान के बीच लगभग 16 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की जाएगी। इस व्यस्त खंड पर तीसरी लाइन के जुड़ने से रेल क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे अधिक ट्रेनें चल सकेंगी और भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ट्रैक की बढ़ी हुई क्षमता से यात्री और माल ढुलाई दोनों सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा, साथ ही इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए समयबद्धता और विश्वसनीयता में भी सुधार होगा। परिचालन दक्षता और सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए, कलाइकुंडा और कनिमोहुली के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) प्रणाली भी चालू की जाएगी। स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली पटरियों को स्वचालित सिग्नल ब्लॉकों में विभाजित करके ट्रेनों को कम अंतराल पर सुरक्षित रूप से चलाने में सक्षम बनाती है। इस तकनीकी उन्नयन से उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए पटरियों के एक ही हिस्से पर अधिक संख्या में ट्रेनें चल सकेंगी। इसका अर्थ यात्रियों के लिए बेहतर सेवा आवृत्ति, समय की पाबंदी और अधिक कुशल ट्रेन परिचालन है।

आवासीय सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल, गाजियाबाद बना मॉडल जिला

लखनऊ (संवाददाता)। स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार में निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। औरैया के बाद गाजियाबाद ने आवासीय सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम उठाते हुए प्रदेश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत किया है। गाजियाबाद के जिलाधिकारी ने औरैया के जिलाधिकारी का अनुकरण करते हुए आदेश जारी किया। अब जनपद में नए बनने वाले आवासीय भवनों के नक्शा पास कराने की प्रक्रिया में सोलर रूफटॉप सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य न केवल बिजली की बचत करना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के सतत उपयोग को भी सुनिश्चित करना है।इस प्रस्ताव के अंतर्गत संबंधित नगर पालिकाएं, नगर निगम एवं नगर पंचायतें अपने-अपने बोर्ड की बैठकों में प्रस्ताव पारित कर इस व्यवस्था को लागू कर सकतीं हैं। नक्शा स्वीकृति के बाद भवन निर्माण में सोलर पैनल और वर्षा जल संचयन प्रणाली का क्रियान्वयन अनिवार्य होगा। इससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा का दायरा व्यापक होगा।योगी सरकार गाजियाबाद जनपद की इस पहल को अन्य जिलों के लिए भी अनुकरणीय मान रही है।

पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू, 15 रुपए यूनिट में चार्जिंग, 45 मिनट में 80 प्रतिशत बैटरी

■ ग्वालियर

शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। सिटी सेंटर स्थित तरुण पुष्कर के पीछे शहर का पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दिया गया है। यह स्टेशन इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पेट्रोल पंप की तर्ज पर काम करेगा, जहां वाहन मालिक 15 रुपए प्रति यूनिट की दर से अपने वाहन चार्ज करा सकेंगे।

चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने किया। इस मौके पर एमआईसी सदस्य, निगमायुक्त संघ प्रिय, अपर आयुक्त प्रदीप तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सहायक यंत्री विद्युत अभिलाषा बघेल ने बताया कि शहर में तेजी से बढ़ रहे ई-वाहनों को ध्यान में रखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है। यहां पेट्रोल पंप की तरह चार्जिंग गन के माध्यम से वाहन चार्ज किए जाएंगे।

यह चार्जिंग स्टेशन 60 केवीए क्षमता का है, जहां एक बड़ी इलेक्ट्रिक कार की बैटरी लगभग 45 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकेगी। चार्जिंग पूरी होने के बाद मशीन पर खपत हुई यूनिट के अनुसार राशि प्रदर्शित होगी, जिसका भुगतान क्यूआर कोड के माध्यम से सीधे नगर निगम के कोटक महिंद्रा बैंक खाते में किया जाएगा। भुगतान के बाद ही चार्जिंग गन हटाई जा सकेगी।

अधिकारियों के मुताबिक 15वें वित्त आयोग के तहत वायु प्रदूषण कम करने के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अनुशंसा पर लगभग दो करोड़ रुपए की राशि नगर निगम के विद्युत विभाग को मिली थी। इसके बाद करीब 1.52 करोड़ रुपए की लागत से फर्म लैटिस द्वारा इस चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कराया गया है। सिटी सेंटर सालासर मल्टीलेवल पार्किंग में दो-दो मशीनें, बहोड़ापुर स्थित जनमित्र केंद्र में एक मशीन और कलेक्टर कार्यालय ओहदपुर परिसर में भी एक चार्जिंग मशीन स्थापित की जाएगी। शहर में इस समय 15 हजार से अधिक ई-रिक्शा, 1500 से अधिक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और लगभग 4 हजार इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर संचालित हो रहे हैं। ऐसे में ईवी चार्जिंग स्टेशन की सुविधा मिलने से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पहले दिन सिर्फ सात रुपए जमा हुए

शुरुआत के पहले दिन चार्जिंग स्टेशन पर केवल नगर निगम की विद्युत शाखा का एक वाहन ही चार्ज हुआ, जिससे निगम के खाते में मात्र सात रुपए ही जमा हुए। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही यह स्टेशन गूगल मैप पर भी दिखाई देने लगेगा, जिससे ई-वाहन चालकों को इसकी जानकारी मिलेगी और उपयोग बढ़ेगा। नगर निगम शहर में अन्य स्थानों पर भी ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत कम्पू मल्टीलेवल पार्किंग और

व्हीलचेयर अल्टीमेट टूर्नामेंट का शानदार आगाज, उद्घाटन मैच में जीता गुजरात

■ देर रात तक चले मुकाबलों में पुरुषों के साथ महिला दिव्यांगों ने भी दिखाया दमखम

■ ग्वालियर

अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग खेल प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार से शुरू हुए राष्ट्रीय व्हीलचेयर अल्टीमेटम टूर्नामेंट में सुबह खेले गए उद्घाटन मैच में गुजरात की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब को 3 के मुकाबले 10 अंक हासिल कर जीत हासिल की।

प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रकृति मिश्रा ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा सर्वसुविधायुक्त परिसर में खिलाड़ियों के लिए जरूरत की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपनी निजी पहचान के साथ इस खेल को आगे ले जाएंगे। मुंबई से ही आईं पुष्णामी कस्तूरी ने कहा कि ग्वालियर का यह खेल परिसर दिव्यांगों की प्रतिभा निखारने के लिए एक बहुत ही अच्छा प्लेटफॉर्म हैं। इससे पूर्व उमोया फाउंडेशन के फाउंडर एवं टूर्नामेंट के कोर्डिनेटर आदित्य केवी एवं सुनील चौधरी, डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

महाराष्ट्र की एकतरफा जीत

प्रतियोगिता में गुरुवार को कई रोमांचक मुकाबले संपन्न हुए। जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ प्रदर्शन किया। हरियाणा और महाराष्ट्र के बीच खेले गए मुकाबले में महाराष्ट्र की टीम ने हरियाणा की टीम पर 10-1 से एकतरफा जीत दर्ज की। व्हीलचेयर अल्टीमेट की इंडिया टीम ने राजस्थान को 10-3 से हराया। उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के बीच खेला गया मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। जिसमें उत्तरप्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्तराखंड को नजदीकी मुकाबले में 8-7 से शिकस्त दी। वहीं गुजरात ने अपने दूसरे मुकाबले में दिल्ली को 10-6 हराया। इंडिया टीम ने मध्यप्रदेश को भी 10-4 से हराया। हरियाणा ने पंजाब को 10-2 से तथा महाराष्ट्र ने दिल्ली को 10-1 से बुरी तरह हराया। महिला वर्ग में उत्तराखंड की टीम ने ने हरियाणा को 9-2 से पराजित किया। दिल्ली ने गुजरात को 7-0 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर चलती बाइक की बैटरी में लगी आग

ढोढर। गुरुवार को ढोढर कस्बे में सड़क पर चलती बाइक की बैटरी में अचानक आग लग गई। इस घटना के बाद आस-पास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कुछ देर के लिए सड़क भी जाम हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सुठारा-किन्नपुरा निवासी मुकेश राजपूत पत्नी के साथ ढोढर आए थे। जब वे अपने गांव लौट रहे थे तभी उनकी टीवीएस स्टार स्पोर्ट कंपनी की बाइक की बैटरी में अचानक आग लग गई। मुकेश राजपूत रेत व पानी डालकर आग बुझाने में लग गए। हालांकि इस घटनाक्रम में किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन इस घटना को देखने के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ लग गई।

इनामी दबोचा

मुरैना। शहर कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी राजेश गुर्जर पुत्र निरपाल गुर्जर निवासी सिद्ध नगर को पकड़ा है। राजेश ने अपने पड़ोसी को मकान विवाद पर गोली मार दी थी। गोली उसके पैर में लगी थी। इसके बाद राजेश फरार हो गया था। पुलिस ने उस पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी। खनियाधाना थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। कुछ दिन पहले रात में 50 वर्षीय आरोपी ने उसे जबरदस्ती खेत में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे उपजेल पिछोर भेज दिया है। पीड़िता ने पिता के साथ थाने पहुंचकर इस घटना की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले रात को शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान गांव में रहने वाला 50 वर्षीय कल्याण कुशवाह उसे खेत में बनी झौंपड़ी में जबरदस्ती खींचकर ले गया। और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। नाबालिग ने पुलिस को यह भी बताया कि उसकी मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

गैस सिलेंडर को लेकर शुरू हुई मारा-मारी, एजेंसी पर भीड़ देख संचालक को बुलानी पड़ी पुलिस

एलपीजी गैस सिलेंडर की नहीं हो पा रही बुकिंग

■ श्योपुर

श्योपुर। एलपीजी गैस के सिलेंडर बुक नहीं होने से लोगों के बीच अफरा-तफरी शुरू हो गई है। गुरुवार को इंडेन गैस एजेंसी के बाहर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। गैस सिलेंडर की बुकिंग नहीं होने से लोग आक्रोशित हो गए। लोगों में आक्रोश बढ़ता देख एजेंसी संचालक को पुलिस बुलानी पड़ी।

मालूम हो कि इन दिनों चल रहे ईरान-इजराइल युद्ध के कारण जहां घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी हुई है वहीं लोगों को सिलेंडर प्राप्त करने में भी मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं। हालांकि एजेंसी संचालक पर्याप्त मात्रा में घरेलू गैस उपलब्ध होने का दावा कर रहे हैं लेकिन बुकिंग के अभाव में लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में लोगों में घरेलू गैस को लेकर असंतोष बढ़ाता जा रहा है। गुरुवार को नगर के शिवपुरी रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी के बाहर दर्जनों लोगों की भीड़ सिलेंडर के लिए जद्दोजहद करती दिखाई दी। लोगों का आरोप है कि उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। जो टोल फ्री नंबर गैस सिलेंडर बुक करने के लिए जारी किये गये हैं। उन पर सिलेंडर बुक नहीं हो रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं के सामने रसोई ईंधन का संकट उत्पन्न हो गया है।

इनका कहना है

इस समय सर्वर बहुत व्यस्त चल रहा है। इसलिए लोगों को सिलेंडर बुकिंग कराने में असुविधा हो रही है लेकिन बार-बार नंबर डायल करते रहने पर बुकिंग हो रही है। घरेलू गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सिर्फ बुकिंग में समस्या आ रही है।

-विवेक गोयल, संचालक, इंडेन गैस श्योपुर

बाइक-ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत में किशोर की मौत

पुलिस अधीक्षक निवास के सामने हुआ हादसा

■ शिवपुरी

शहर में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। यह घटना एसपी कोठी के सामने हुई, जहां एक बाइक और ऑटो की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चला रहे ऋषभ रावत ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

यह टक्कर सुबह करीब 6:30 से 7 बजे के बीच हुई। ऑटो चालक ओमप्रकाश करन सिद्धेश्वर मेला ग्राउंड से दो सवारियों को लेकर पोहरी बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। उनके साथ उनका परिचित हक्का खान भी ऑटो में बैठा था।

जैसे ही ऑटो एसपी कोठी के सामने पहुंचा, सामने से आ रही एक बाइक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। बाइक एक नाबालिग चला रहा था और उसके साथ एक अन्य युवक भी बैठा हुआ था। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार और ऑटो में बैठे लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद ऑटो चालक ओमप्रकाश करन घायल किशोर और हक्का खान को जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने बाइक चला रहे नाबालिग ऋषभ रावत को मृत घोषित कर दिया। मृतक ऋषभ रावत पुत्र सोबरन रावत मूल रूप से गहलोनी गांव का निवासी था। वह अपनी पढ़ाई के लिए माता-पिता के साथ शहर के नवाब साहब रोड स्थित चंद्रा कॉलोनी में रह रहा था।

बकायादारों के ट्रांसफार्मर उठाए, 10 कनेक्शन काटे

■ भिण्ड

बिजली कंपनी द्वारा बकाया बिल राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए कड़ी कार्रवाई की गई। लंबे समय से भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं के ट्रांसफार्मर उठाए गए और 10 बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए।

ऐंतहार डिवीजन के कनिष्ठ अभियंता यश गुप्ता ने बताया कि संबंधित उपभोक्ताओं को पूर्व में कई बार नोटिस एवं मौखिक चेतावनी दी गई थी बावजूद इसके बकाया राशि जमा नहीं की गई। विभाग द्वारा राजस्व हानि रोकने तथा नियमित बिल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से यह सख्त कदम उठाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक बकाया राशि पूर्ण रूप से जमा नहीं की जाएगी तब तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की जाएगी। भविष्य में भी बकायादारों के विरुद्ध इसी प्रकार की निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान भिण्ड ग्रामीण के प्रबंधक अवध शर्मा सहित मीटर रीडर शिवम भारद्वाज, विजय बहादुर भदौरिया, विपेन्द्र भदौरिया, शिवम शर्मा, धर्मेन्द्र गुर्जर एवं रामबरन नरवरिया आदि उपस्थित रहे।

श्रमिकों के लिए पीएम श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना लागू

श्योपुर। केन्द्र सरकार द्वारा असंगठित कर्मकारों को वृद्धावस्था में सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। जिलाधीश एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा ने उक्त योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। श्रम विभाग द्वारा बताया गया है कि इस योजना में लाभ प्राप्त करने के लिए आयु 18 से 40 वर्ष होनी चाहिए और मासिक आय अधिकतम 15 हजार निर्धारित है। आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए। ईएसआई एवं ईपीएफ में सम्मिलित न हो। हितग्राही को 60 वर्ष की आयु के बाद तीन हजार रुपए मासिक पेंशन प्राप्त होगी। हितग्राही द्वारा

खुशखबरी : कोलारस में उज्जैनी एक्सप्रेस के ठहराव को रेल मंत्रालय की मंजूरी

■ शिवपुरी

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से अशोकनगर और कोलारस को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। रेल मंत्रालय ने 12 मार्च को अशोकनगर में सोगरिया-दानापुर एक्सप्रेस (19801/02) और कोलारस में उज्जैनी एक्सप्रेस (14309/10) के ठहराव को मंजूरी दे दी है।

इस फैसले से क्षेत्र के यात्रियों को सफर में सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने 26 फरवरी 2024 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर इन ट्रेनों के ठहराव का अनुरोध किया था। पत्र में उन्होंने अशोकनगर और कोलारस में इन दोनों ट्रेनों के ठहराव की आवश्यकता पर जोर दिया था। सिंधिया के पत्र पर त्वरित संज्ञान लेते हुए रेल मंत्रालय ने दोनों स्टॉपेज को स्वीकृति प्रदान कर दी है। अशोकनगर में सोगरिया-दानापुर एक्सप्रेस और कोलारस में उज्जैनी एक्सप्रेस के रुकने से लोगों को देश के अन्य हिस्सों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे क्षेत्र के दैनिक यात्रियों, छात्रों और व्यापारियों को सफर में काफी सुविधा होगी। साथ ही क्षेत्रीय आवागमन बढ़ने से स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सिंधिया ने रेल मंत्री का जताया आभार

ट्रेनों के ठहराव की मंजूरी मिलने पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा मोदी सरकार के लिए सर्वोपरि है और सभी मंत्रालय 'होल ऑफ गवर्नमेंट' दृष्टिकोण के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। सिंधिया ने विश्वास जताया कि यह महत्वपूर्ण कदम अशोकनगर और कोलारस की जनता के लिए बड़ी राहत साबित होगा और क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करेगा।

बहनों की मदद से भाई ने किया छात्रा से दुष्कर्म

भिण्ड। आठवीं की छात्रा से छह महीने तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इसका खुलासा तब हुआ जब वह गर्भवती हो गई। परिजनों ने गुरुवार को रौन थाने में प्रकरण दर्ज कराया है। पुलिस जांच अधिकारी रवीन्द्र सिंह तोमर के अनुसार छात्रा की दोस्ती मोहल्ले में रहने वाली दो बहनों से थी। दोनों बहनें उसे अक्सर अपने घर बुलाती थीं। इसी दौरान उन्होंने अपने भाई साहिल से उसकी पहचान कराई। परिजनों का आरोप है कि एक दिन दोनों बहनों ने छात्रा को अपने घर बुलाया। उसे कमरे में छोड़कर बाहर चली गईं। इस दौरान आरोपी साहिल ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और किसी को बताने पर बदनाम करने की धमकी दी। उसने छह महीने तक कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। जिससे छात्रा गर्भवती हो गई। जब पीड़िता की मां को इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने पूछताछ की। इसके बाद मामला सामने आया।

खनिज विभाग ने पकड़ा अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर

■ श्योपुर

खनिज विभाग ने रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त करने की कार्रवाई की है। खनिज अधिकारी राजेश कुमार गंगेले ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर बायपास रोड से आ रहा है। सूचना के बाद खनिज अधिकारी बायपास पर पहुंचे लेकिन इसी दौरान ट्रैक्टर चालक को शक हुआ और उसने ट्रैक्टर को शिव नगर कॉलोनी में घर के सामने खड़ा कर दिया। खनिज विभाग की टीम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर देहात थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

महिला की गला रेतकर हत्या, खेत में मिला शव

■ शिवपुरी

रन्नौद थाना क्षेत्र के ग्राम बामौरकला में बुधवार शाम मजदूरी से लौट रही प्रीति केवट (32) की अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। महिला का शव खेत के पास खून से लथपथ पड़ा मिला।

प्रीति केवट फसल कटाई की मजदूरी समाप्त कर घर लौट रही थी। बुधवार शाम करीब 6 बजे गांव के मंजू महाराज के खेत के पास किसी अज्ञात व्यक्ति ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमलावर ने प्रीति के गले के पीछे और दाहिनी तरफ वार किए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतका के देवर पूरन केवट (20) ने बताया कि वह दिल्ली में टमाटर फार्म पर काम कर रहा था। तभी गांव से सूचना मिली कि उसकी भाभी खेत के पास घायल अवस्था में पड़ी है। परिवार मौके पर पहुंचा तो महिला का शव खून से लथपथ मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बताया जा रहा है कि घटना के समय प्रीति का पति बबलेश केवट राजस्थान में मजदूरी कर रहा था। मृतका का दूसरा देवर शिशुपाल केवट घटना के बाद से लापता है, जिस पर ग्रामीणों ने शक जताया है। ग्रामीणों के अनुसार शिशुपाल चाहता था कि प्रीति उसी की मर्जी से खेतों में मजदूरी करे, लेकिन प्रीति ने दूसरे किसान के यहां काम करना शुरू कर दिया था। इसी बात को लेकर रंजिश की आशंका जताई जा रही है।

इनका कहना है

मृतका के देवर पूरन केवट की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। शव का पोस्टमार्टम कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लापता शिशुपाल की तलाश भी की जा रही है। हत्या का पूरा सच जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

-अरविंद सिंह चौहान, थाना प्रभारी, रन्नौद

जिले में नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन 15 से

बस्तियों में लोगों तक पहुंचाएं नेत्र शिविर की जानकारीः नरेन्द्र सिंह

■ मुरैना

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन 15, 16 व 17 मार्च को जिला चिकित्सालय में किए जाएंगे। इसे लेकर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने गुरुवार को सर्किट हाउस में व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निचली बस्तियों में नेत्र परीक्षण शिविर के लिए लोगों को प्रेरित करें और अधिक से अधिक लोगों को नेत्र शिविर में लाभान्वित कराएं।

इस दौरान सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, आयुक्त नगर निगम सत्येन्द्र धाकरे, राज्य प्रबंधक इफको भोपाल डॉ. दिनेश कुमार सोलंकी, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक मुरैना डॉ. बी.एस. जादौन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि विशाल किसान सम्मेलन पुलिस परेड मैदान मुरैना में 13 मार्च को प्रातः 11 बजे शुरू होगा। इसी दिन विशाल नेत्र शिविर का शुभारंभ भी होगा। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी, अधिकारी, कर्मचारी सभी माध्यमों से प्रचार-प्रसार निचली बस्तियों तक पहुंचाएं। उन लोगों को प्रेरित करें, जिनकी आंखों की रोशनी कम हो रही है। उनकी निःशुल्क जांच कराएं। अगर आंखों में मोतियाबिंद है तो उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। जिसके लिए परीक्षण की तिथियों में आंखों की जांच कराएं और आवश्यक हो तो ऑपरेशन भी करवाएं।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने बताया कि 14 मार्च को सिविल अस्पताल अंबाह, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोरसा, आसमानी माता मंदिर ग्राम ओरेठी पोरसा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किरायच, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुमावली और जिला चिकित्सालय मुरैना में नेत्र जांच शिविर प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक आयोजित होंगे। रविवार 15 मार्च को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जौंहा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दिमनी, सिविल अस्पताल खड़ियाहार, सिविल अस्पताल बानमोर और जिला चिकित्सालय मुरैना में नेत्र जांच शिविर प्रातः 9 से सायं 4:30 बजे तक होंगे। इसी प्रकार 16 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सबलगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कैलारस, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाड़गढ़, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रिठौराकलां और जिला चिकित्सालय में प्रातः 9 से सायं 4:30 बजे तक नेत्र परीक्षण किया जाएगा।

संपादकीय

लड़ी जा रही है एक बेमतलब की जंग

अमरीका के राष्ट्रपति ट्रम्प और इसराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को लगा था कि ईरान को 4 दिनों में घुटनों पर ला दिया जाएगा। अयातुल्ला खामेनेई, उनके दामाद, बेटी, नाती, रक्षा मंत्री, सेना के सर्वोच्च कमांडर आदि को मार कर ऐसी संभावनाएं जग भी गई थीं लेकिन अब ट्रम्प खुद कह रहे हैं कि 4 दिन की जगह 4 हफ्ते लग सकते हैं। चार हफ्ते भी कम से कम। उधर ईरान चाहता है कि लड़ाई 4 महीने चले। दुनिया, खासतौर से खाड़ी देशों, यूरोपियन यूनियन और भारत के दिन इसी इंतजार में कट रहे हैं कि अब होगा युद्ध विराम, अब जंग खत्म होगी और बातचीत शुरू होगी। ट्रम्प कह चुके हैं और कह कर मुकर चुके हैं कि ईरान बात करना चाहता है लेकिन अमरीका ने कह दिया है कि बहुत देर कर दी। उधर ईरान ने पहले कहा कि वह अपनी तरफ से बातचीत की पहल नहीं करेगा। उसके बाद कहा कि पहले जंग खत्म हो फिर बात होगी। यानी साफ है कि दोनों देश कोई बीच का रास्ता तलाश रहे हैं लेकिन नाक की लड़ाई का भी ख्याल रख रहे हैं। जब तक सूरत नजर नहीं आती तब तक कच्चे तेल और गैस के दाम बढ़ते रहेंगे, शेयर बाजार हिचकोले खाता रहेगा, महंगाई बढने की आशंका परेशान करती रहेगी, बहुत से देशों का बजट गड़बड़ाता रहेगा और आध्यक मंदी का साया मंडराता रहेगा। ईरान शायद चाहता भी यही है। लेकिन ट्रम्प क्या चाहते हैं, नेतन्याहू के दिल में क्या है साफ नहीं है। खामेनेई की मौत ने पूरे ईरान को एक कर दिया है। उनकी जगह लेने वाले, उनके बेटे को और भी ज्यादा कट्टर होना ही पड़ेगा। वह बातचीत के लिए तैयार हुआ तो विरोध का सामना करना पड़ेगा। ट्रम्प का कहना कि 4 मकसद थे। एक, ईरान की नेवी का खात्मा करना। दो, ईरान के परमाणु ठिकानों को नेस्तनाबूद करना, तीन, ईरान की मिसाइल क्षमता को काफी हद तक सीमित करना और चार, सत्ता परिवर्तन करना। जानकारों का कहना है कि सत्ता परिवर्तन को छोड़ कर बाकी में वह काफी हद तक कामयाब हो चुका है। आई.ए.ई.ए. (अंतर्राष्ट्रीय एटॉमिक एनर्जी एजैंसी) कह ही चुका है कि ईरान परमाणु बम नहीं बना रहा। ईरान साफ कर चुका है कि अयातुल्ला खामेनेई का दिया ऐसे बम नहीं बनाने का फतवा उनकी मौत के बाद भी अमल में रहेगा। ऐसे में ट्रम्प कभी भी ऐलान कर सकते हैं कि ईरान का मिसाइल सिस्टम, नेवी और परमाणु ठिकाने बर्बाद किए जा चुके हैं और विश्व शांति के लिए युद्ध में जाने का उसका मकसद पूरा हो गया है (पूरी दुनिया इस पर राहत की सांस लेगी, शायद ही कोई उनके दावों को चुनौती देगा)। इसराईल चाहता है कि ईरान को कमजोर कर दिया जाए। इतना कमजोर कि खाड़ी देशों में उसकी कोई पूछ नहीं रहे और नेतन्याहू खाड़ी देशों के थानेदार बन जाएं। दोनों देशों की लगातार बमबारी ने पहले से कमजोर ईरान को और ज्यादा कमजोर किया है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। नेतन्याहू अपनी इस जीत के बल पर अक्तूबर के चुनावों में उतर सकते हैं या फिर जल्द चुनाव करवा कर फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रम्प को चूंकि अगला चुनाव लडना नहीं है, लिहाजा वह भी चाहेंगे कि सैनिकों के ताबूतों की संख्या बढने से पहले वह पतली गली पकड़ लें। उधर ईरान 5 तरह की मिसाइलों और सस्ते ड्रोन से अमरीका और इसराईल को हैरान-परेशान किए हुए है। ईरान का सस्ता ड्रोन सिर्फ 20,000 डालर (करीब 17 लाख रुपए) का पड़ता है, जबकि इस ड्रोन को हवा में ही मारने के लिए जो मिसाइल इंटरसैप्टर अमरीका दागता है, उसकी कीमत 4 मिलियन डालर (करीब 8 करोड़ रुपए) बैठती है। अब ईरान के पास तो हजारों की संख्या में ऐसी मिसाइल और ड्रोन हैं, उसके दोस्त हमास के पास 30 से 40 हजार पुरानी मिसाइलें हैं लेकिन अमरीका के पास इंटरसैप्टर का टोटा है। अमरीका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने खुद स्वीकारा है कि ईरान हर महीने 100 मिसाइल बनाने की क्षमता रखता है, जबकि अमरीका में एक महीने में सिर्फ 6 इंटरसैप्टर बनाने की क्षमता है। ईरान ने पिछले साल जुलाई के 12 दिन के युद्ध से सबक सीखा और पूरे देश में 33 से ज्यादा ठिकानों पर मिसाइल लांचर तैनात कर दिए। इनमें से कुछ तो जमीन के अंदर भी हैं। ईरान इन्हीं के भरोसे 4 महीनों तक लड़ाई जारी रखना चाहता है, ताकि तब तक यूरोपीय देशों, खाड़ी के देशों और भारत जैसे देशों में त्राहि-त्राहि मच जाए और यही देश अमरीका पर सीजफायर के लिए दबाव डालने लगें। अमरीका और इसराईल इसे समझ रहे हैं और ईरान की मिसाइल कमांड पर हमले दर हमले कर रहे हैं। उधर ईरान खाड़ी देशों में स्थापित अमरीकी सैन्य ठिकानों पर लगे राडार नष्ट करने में लगा है जो ईरानी मिसाइल का पता लगाते हैं। हाल ही में ईरान ने कतर में ऐसे ही राडार को नष्ट किया, जिसकी कीमत 1 बिलियन डॉलर बताई जाती है। सारा खेल तकनीक का है। ईरान अमरीका के जी.पी.एस. सिस्टम पर काम नहीं करता। उसने चीन के जी.पी.एस. को लिया है जो अमरीका की पकड़ के बाहर है। साफ है कि इस युद्ध में ईरान की हार तय है। सबसे ज्यादा नुकसान भी ईरान को उठाना पड़ेगा लेकिन ईरान का वजूद कायम रहेगा, मौजूदा सत्ता बरकरार रहेगी। इसराईल के नुकसान की भरपाई अमरीका कर ही देगा लेकिन विनाश के बाद भी नेतन्याहू चुनाव हार गए तो बाकी जिंदगी जेल में बितानी पड़ सकती है या हो सकता है कि इस जंग की वजह से उन्हें सजा में छूट मिल जाए। ट्रम्प को आध्यक नुकसान झेलना होगा, अमरीकी जनता की नाराजगी झेलनी होगी, जो यह मानती है कि ट्रम्प इस जंग में गलत कूद गए। सिर्फ 25 फीसदी जनता उनके साथ है।

असम में चुनाव से ठीक पहले हिमंत के राजनीतिक आख्यान को झटका

मुख्य रूप से भाषाई, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ असमिया पहचान का उनका लंबे समय से चला आ रहा राजनीतिक आख्यान को हाल ही में तब गंभीर झटका लगा था, जब उन्होंने 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार के लिए एआईयूडीएफ के तीन मुस्लिम विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया था। जब लोगों ने एआईयूडीएफ विधायकों से समर्थन मिलने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के असली रंग की ओर इशारा करते हुए बातें करनी शुरू की, तो उन्हें अपने पहले के आख्यान के कमजोर होने की चिंता होने लगी। वह अपनी पुरानी कहानी को फिर से शुरू करना चाहते थे और उन्होंने फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का नाम बदलकर बारपेटा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल कर दिया, सिर्फ यह दिखाने के लिए कि वह अभी भी अपनी पुरानी कहानी पर काम रहेंगे, हालांकि उन्होंने एआईयूडीएफ के तीन विधायकों का समर्थन लिया है।

डॉ. ज्ञान पाठक

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का राजनीतिक आख्यान अब से कुछ ही हफ्तों में अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कमजोर हो गया है, जिसे उन्होंने बारपेटा में मौजूद फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल से पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाकर वापस लाने की कोशिश की है। मुख्य रूप से भाषाई, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ असमिया पहचान का उनका लंबे समय से चला आ रहा राजनीतिक आख्यान को हाल ही में तब गंभीर झटका लगा था, जब उन्होंने 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार के लिए एआईयूडीएफ के तीन मुस्लिम विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया था। जब लोगों ने एआईयूडीएफ विधायकों से समर्थन मिलने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के असली रंग की ओर इशारा करते हुए बातें करनी शुरू की, तो उन्हें अपने पहले के आख्यान के कमजोर होने की चिंता होने लगी। वह अपनी पुरानी कहानी को फिर से शुरू करना चाहते थे और उन्होंने फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का नाम बदलकर बारपेटा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल कर दिया, सिर्फ यह दिखाने के लिए कि वह अभी भी अपनी पुरानी कहानी पर काम रहेंगे, हालांकि उन्होंने एआईयूडीएफ के तीन विधायकों का समर्थन लिया है। फिर भी, राजनीतिक नुकसान तो पहले ही हो चुका है। कई दूसरे कारणों से भी हिमंत बिस्वा सरमा अब उतने मजबूत राजनीतिज्ञ नहीं हैं जितने वह 2021 में थे, जब वह राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। 2026 का विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में पहला होगा, जिसकी परीक्षा होनी है। इस बीच, 2023 में असम के चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन हुआ। 2024 का लोकसभा चुनाव उनके नेतृत्व में हुआ, जिसमें भाजपा ने 14 में से 9 सीटें जीती थीं,

और 126 में से 75 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। उनके राजनीतिक आख्यान के कमजोर होने को तब झटका लगा जब उनकी सरकार समर्थित राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवार को बदरुद्दीन अजमल की नेतृत्व में मुस्लिम-जनाधार वाली पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायकों-करीम उद्दीनबरभुइया, जाकिर हुसैन लस्कर, और निजामुद्दीन चौधरी ने समर्थन देते हुए उनके नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इसके बड़े राजनीतिक नतीजे हुए, न सिर्फ एआईयूडीएफ के अंदर, बल्कि एनडीए और उनके जनाधार के अंदर भी। इनमें से दो विधायकों को एआईयूडीएफ ने एनडीए समर्थित उम्मीदवार को समर्थन देने के कारण निलंबित कर दिया। विपक्षी कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने सत्तारूढ़ भाजपा पर एक ऐसी पार्टी से मदद लेने का आरोप लगाया जिसकी उसने पहले बुराई की थी। यह एक राजनीतिक विवाद बन गया क्योंकि भाजपा और एआईयूडीएफ खुलेआम एक-दूसरे की दुश्मन पार्टियां हैं, खासकर असम में आप्रवासी और पहचान की राजनीति जैसे मुद्दों पर। इसीलिए उनमें कोई भी आपसी मिलीभगत या सहयोग- भले ही अप्रत्यक्ष हो- राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो जाता है। क्षति नियंत्रण के लिए असम सरकार ने 10 मार्च को फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का नाम बदलकर बारपेटा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल करने का फैसला किया। कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी दी, और मुख्यमंत्री हिमंत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बदलाव का कारण बताते हुए कहा, श्हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों के नाम उनकी जगहों के नाम पर रखे गए हैं। हम गुवाहाटी, धुबरी, सिलचर, बोंगईगांव, विश्वनाथ और शोणितपुर के मेडिकल कॉलेजों में ऐसा देखते हैं। किसी तरह, बारपेटा वाले का नाम फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल रख दिया गया था, जो दूसरे मेडिकल कॉलेजों के नाम रखने के तरीके से मेल नहीं खाता,श उन्होंने यह भी कहा कि कैबिनेट ने विभ्रम से बचने के लिए इस संस्थान का नाम बदलने का फैसला किया। पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाने के बाद उन्होंने कहा, श्क्योंकि फखरुद्दीन अली अहमद भारत के राष्ट्रपति थे और असम से पहले राष्ट्रपति थे, इसलिए कैबिनेट ने फैसला किया कि उनके नाम पर उसी या उससे ऊंचे दर्जे का कोई दूसरे शैक्षणिक या सांस्कृतिक संस्थान का नामकरण किया जाएगा। हम उनके नाम को जिंदा रखने के लिए इस बारे में फैसला लेंगे। लोग पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाने की इस घटना को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की एक घटना के परिप्रेक्ष्य में देख रहे हैं, जहां चुनाव होने वाले हैं, और जहां भाजपा भारत के मौजूदा राष्ट्रपति का अपमान करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना कर रही है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या भाजपा ने मेडिकल कॉलेज के नाम से पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाकर उनका सम्मान किया है?

ध्यान देने वाली बात यह है कि जब से बीजेपी केंद्र और राज्यों में सत्ता में आई है, उसकी सरकारें हिंदुत्व की राजनीति के तहत संस्थानों, शहरों, सड़कों, या यहां तक कि गलियों और गांवों के नाम बदल रही हैं। असम में, हिमंत बिस्वा सरमा के मुख्यमंत्री बनने के बाद, राज्य सरकार ने सैकड़ों नाम बदले हैं। एक जिला, एक शहर, एक एडमिनिस्ट्रेटिव हेडक्वार्टर, 3 पब्लिक बिल्डिंग, 5 संस्थान, 1281 से ज्यादा स्कूल, और कई दर्जन इलाकों और गांवों के नाम बदले गए।2021 से असम सरकार की नाम बदलने की पहल मुख्यरूप से तीन विषयवस्तु पर आधारित है- असमिया सांस्कृतिक पहचान को फिर से बनाना, औपनिवेशिक या गैर-स्थानीय नामों को हटाना, और धार्मिक या भाषा के हिसाब से अस्पष्ट नामों को बदलना। 2023 में1281 मदरसा स्कूलों के नाम बदले गए। राज्य ने मदरसा शिक्षण प्रणाली बंद कर दी थी और उन्हें सामान्य स्कूलों में बदल दिया था। 2024 में, करीमगंज जिले का नाम बदल कर श्रीभूमि जिला और शहर का नाम श्रीभूमि कर दिया गया। होजई जिले के मुख्यालय का नाम श्रीमंत शंकरदेव नगर रखा गया। 2025 में, सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नाम अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रखा गया। राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया गया। डिब्रूगढ़ एयरपोर्ट का नाम बदलकर भारत रत्न भूपेन हजारिका एयरपोर्ट करने का प्रस्ताव है। 2022 में घोषित नाम पॉलिसी के अनुसार, नाम बदलने के और भी कई उदाहरण हैं। हालांकि, सवाल यह है कि क्या नाम बदलने से आने वाले चुनाव में भाजपा को फायदा होगा? कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके असर अल्पावधि चुनावी संदेश देने और दीर्घावधि पहचान की राजनीति और क्षेत्रीय तालमेल दोनों पर होते हैं। नाम बदलना कुछ जोखिमों के साथ प्रतीकात्मक संदेश के तौर पर काम कर सकता है क्योंकि असम में मजबूत क्षेत्रीय और भाषाई विविधता है। अगर भाषाई, क्षेत्रीय, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यक मुख्यमंत्री हिमंत को मौकापरस्त मानते हैं, और नई राजनीति को अपनी पहचान की राजनीति के खिलाफ मानते हैं, तो वह असली मुश्किल में पड़ जाएंगे।

आज पंजाब चौतरफा गंभीर संकट से घिरा

स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान और आजादी की प्राप्ति के बाद लोगों को दरपेश मुश्किलों के हल के लिए लड़े गए गौरवशाली संघर्ष इस तथ्य की गवाही देते हैं। परंतु आज पंजाब चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा हुआ है। पंजाब की जिस जवानी पर सारा देश कभी गर्व किया करता था, वही आज बेरोजगारी के कारण गैंगस्टरवाद, नशाखोरी आदि अराजक प्रवृत्तियों का शिकार बनी हुई है। पांच नदियों की धरती, पानी के ह्यमहा अकालह्ल जैसे हालातों की दहलीज पर आ खड़ी हुई है। हरित क्रांति की बदौलत शिखर पर पहुंची कृषि पैदावार अब ठहराव में है या गिरावट की ओर जा रही है। रासायनिक खादों, कीटनाशकों, संशोधित बीजों आदि के दुरुपयोग से धरती बंजर बनती जा रही है। खनन और रेत माफिया ने पंजाब के पर्यावरण को तबाह कर दिया है। इन अप्रिय हालातों को पैदा होने से रोका जा सकता था या समस्या से अब भी सफलतापूर्वक निपटा जा सकता है लेकिन शर्त यह है कि प्रांत का राजनीतिक नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में होना चाहिए, जो सिख गुरु साहिबान द्वारा रचित मानवीय बाणी, भक्ति लहर के महान रहबरों की तर्कवादी शिक्षाओं, गदरी शूरवीरों और शहीद-ए-आजम भगत सिंह व उनके साथियों की इंकलाबी विचारधारा के प्रति समघ्यत हों। जो निजी स्वार्थ की बजाय सामाजिक हितों को प्राथमिकता देते हों। अफसोस, हमारा गौरवशाली पंजाब ऐसे नेतृत्व से स्पष्ट रूप से वंचित दिख रहा है! अंधविश्वास और स्वार्थ फैला रहे डेरों की भरमार है।

मंगत राम पासला

पंजाब में जन्म लेने वालों के लिए रोज नई मुहिम वाली कहावत हमारी समृद्ध विरासत और अनुभवों से जन्मी है। स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान और आजादी की प्राप्ति के बाद लोगों को दरपेश मुश्किलों के हल के लिए लड़े गए गौरवशाली संघर्ष इस तथ्य की गवाही देते हैं। परंतु आज पंजाब चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा हुआ है। पंजाब की जिस जवानी पर सारा देश कभी गर्व किया करता था, वही आज बेरोजगारी के कारण गैंगस्टरवाद, नशाखोरी आदि अराजक प्रवृत्तियों का शिकार बनी हुई है। पांच नदियों की धरती, पानी के ह्यमहा अकालह्ल जैसे हालातों की दहलीज पर आ खड़ी हुई है। हरित क्रांति की बदौलत शिखर पर पहुंची कृषि पैदावार अब ठहराव में है या गिरावट की ओर जा रही है। रासायनिक खादों, कीटनाशकों, संशोधित बीजों आदि के दुरुपयोग से धरती बंजर बनती जा रही है। खनन और रेत माफिया ने पंजाब के पर्यावरण को तबाह कर दिया है। इन अप्रिय हालातों को पैदा होने से रोका जा सकता था या समस्या से अब भी सफलतापूर्वक निपटा जा सकता है लेकिन शर्त यह है कि प्रांत का राजनीतिक नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में होना चाहिए, जो सिख गुरु साहिबान द्वारा रचित मानवीय बाणी, भक्ति लहर के महान रहबरों की तर्कवादी शिक्षाओं, गदरी शूरवीरों और शहीद-ए-आजम भगत सिंह व उनके साथियों की इंकलाबी विचारधारा के प्रति समघ्यत हों। जो निजी स्वार्थ की बजाय सामाजिक हितों को प्राथमिकता देते हों। अफसोस, हमारा गौरवशाली पंजाब ऐसे नेतृत्व से स्पष्ट रूप से वंचित दिख रहा है! अंधविश्वास और स्वार्थ फैला रहे डेरों की भरमार है। अधिकांश अकाली धड़े धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, संघीय ढांचे की रक्षा के कर्तव्य और सबसे बढ़कर मनुष्य द्वारा मनुष्य की लूट के खात्मे के सुनहरे सिद्धांत को त्याग कर देश की सत्ताधारी पार्टी, भाजपा के साथ राजनीतिक सांठगांठ करना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी, जिसकी आजादी के आंदोलन में मुख्य भूमिका रही, भाजपा विरोधी दलों में आज भी बड़े जनाधार वाली पार्टी है लेकिन आपसी फूट में बुरी तरह फंसी हुई है। भाजपा केंद्रीय सत्ता पर काबिज होने का लाभ उठाकर साम-दाम-दंड-भेद की नीति के सहारे पंजाब की सत्ता पर काबिज होने का प्रयास कर रही है। यह कई प्रकार के लालच और प्रलोभन देकर दलित समाज में भी अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। धार्मिक डेरों और सरकारी एजैंसियों के उपयोग तथा दूसरे दलों से सिद्धांतहीन स्वार्थी तत्वों को भाजपा में शामिल करके भाजपा नेता पंजाब की प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनने की आस लगाए बैठे हैं। ह्यविकल्पह्ल प्रदान करने के नाम पर सत्ता में आई भगवंत मान की आप सरकार के प्रति लोगों का मोहभंग हो रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा वोट हासिल करने के लिए लोगों को 200 ग्राम हल्दी और एक नमक की थैली मुफ्त देने जैसे घटिया हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने तथा भ्रष्टाचार का खात्मा करके सुशासन देने वाली कट्टर ईमानदार पार्टी होने के दावे अब लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहे। नशों के विरुद्ध समयबद्ध युद्ध छेडने के बाद, नशे के अत्यधिक उपयोग से होने वाली मौतों और नशा तस्करों के कारोबार में भारी वृद्धि हुई है। सरकार और प्रशासनिक मशीनरी की ह्यबुलडोजरह्ल कार्रवाइयों और झूठी पुलिस मुठभेड़ों से हालात ह्यजंगल राजह्ल जैसे बन गए हैं। गैंगस्टरों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। वे समय और स्थान की अग्रिम घोषणा करके किसी को सरेआम गोलियां मार देते हैं। भ्रष्टाचार की स्थिति यह है कि शायद ही कोई मंत्री, विधायक या ह्यआपह्ल नेता ऐसा हो, जिसने ह्यआपह्ल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी न लगाई हो। इन लोगों की संपत्तियों और बैंक खातों में पिछले 4 वर्षों में हुई वृद्धि की निष्पक्ष जांच किए जाने से कट्टर ईमानदार पार्टी के सारे भेद खुल सकते हैं! पंजाब के भीतर वामपंथी, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक शक्तियों की आज भी भारी मौजूदगी है। इन्हें एकजुट करके एक जनपक्षीय राजनीतिक विकल्प खड़ा किया जा सकता है। इस राजनीतिक विकल्प का मूल आधार पंजाब की देशभक्ति और पीड़ित लोगों के लिए आत्म-बलिदान की परंपराएं, सिख गुरु साहिबान के मानवीय दर्शन का मार्गदर्शन, भक्ति आंदोलन के महापुरुषों की प्रबुद्ध शिक्षाएं और सभी बाधाओं, साजिशों व विभिन्न रंगों के सांप्रदायिक तत्वों का राजनीतिक-वैचारिक मोर्चे पर मुकाबला करने की क्षमता होगा।

नेपाल में वाद का बोझ घटा है, समस्याओं का नहीं

तब भी पार्टी चारों खाने चित्त हुई। हर दल नौजवानों को आगे करने का प्रयास जरूर किया लेकिन स्थापित पुराना नेतृत्व नतीजों के पहले मैदान छोड़ने को तैयार न था। न था कहना शायद गलती है इसे नहीं है कहना चाहिए। जिस समानुपातिक प्रणाली से नेपाल संसद का एक बड़ा हिस्सा भरने की विलक्षण व्यवस्था की गई है उसके लिए पार्टियों के नामांकन की सूची चुनाव उम्मीदवार चुनने से पहले बनी। और उसे बनाने के क्रम में ही असली झगड़े हुए और आप पाएंगे कि इतने साफ जनादेश के बावजूद जब इस व्यवस्था वाले सांसद आएंगे तो काफी पिटे पिटाए चेहरे दिखने में आएंगे। नेपाल कांग्रेस की आंतरिक लड़ाई पार्ट दो शुरू होगी और संभव है बुरी तरह पिटकर कम्युनिष्ट पार्टियां भी एकजुट होने की कोशिश करें। लेकिन नेपाल के लोगों ने जितना साफ जनादेश दिया है उसे समझने की जरूरत है और वह पूरी पुरानी राजनीति को लगभग सीधे नकारने जैसा है। कौन-कौन पूर्व प्रधानमंत्री चुनाव में हारा और किसने चुनाव लड़ने की हिम्मत न की यह सूची पर्याप्त बड़ी है। लेकिन इतना कहने में हर्ज नहीं है कि नेपाली मतदाता ने सारे वादों अर्थात विचारधारा का नाम लेकर राजनैतिक नौटंकी करने वालों को ठुकराया है। इसमें कम्युनिष्ट खेमे के की दल तो हैं ही, दक्षिणपंथी और राजा समर्थक दल भी हैं। एक पार्टी तो सीधे राजतन्त्र की वापसी के नाम पर इस लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में हिस्सा ले रही थी। एक सीधे चीन समर्थक पार्टी थी। ज्यादा दिलचस्प मामला मधेश और पहाड़ या किसी जाति और क्षेत्र का नाम लेकर राजनीति करने वालों की दुर्गति भी रही।

अरविन्द मोहन

नेपाल चुनाव और उसके नतीजों की व्याख्या कई तरह से की जा रही है। यह स्वाभाविक है। लेकिन चुनाव की प्रक्रिया के दौरान वहां जो कुछ दिखा उसकी चर्चा कम हुई। चुनाव घोषणा होते ही हर बड़े दल में उठापटक हुई और कई टूट-फूट तथा विलय भी देखने में आये। कई दलों ने अपने अराध्य का नाम लेना पाप समझा तो नेपाली कांग्रेस ने नेपाल के जेन जी आंदोलन और मुख्य ताकत बनाकर उभर रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को देखते हुए नया नेता चुना। तब भी पार्टी चारों खाने चित्त हुई। हर दल नौजवानों को आगे करने का प्रयास जरूर किया लेकिन स्थापित पुराना नेतृत्व नतीजों के पहले मैदान छोड़ने को तैयार न था। न था कहना शायद गलती है इसे नहीं है कहना चाहिए। जिस समानुपातिक प्रणाली से नेपाल संसद का एक बड़ा हिस्सा भरने की विलक्षण व्यवस्था की गई है उसके लिए पार्टियों के नामांकन की सूची चुनाव उम्मीदवार चुनने से पहले बनी। और उसे बनाने के क्रम में ही असली झगड़े हुए और आप पाएंगे कि इतने साफ जनादेश के बावजूद जब इस व्यवस्था वाले सांसद आएंगे तो काफी पिटे पिटाए चेहरे दिखने में आएंगे। नेपाल कांग्रेस की आंतरिक लड़ाई पार्ट दो शुरू होगी और संभव है बुरी तरह पिटकर कम्युनिष्ट पार्टियां भी एकजुट होने की कोशिश करें। लेकिन नेपाल के लोगों ने जितना साफ जनादेश दिया है उसे समझने की जरूरत है और वह पूरी पुरानी राजनीति को लगभग सीधे नकारने जैसा है। कौन-कौन पूर्व प्रधानमंत्री चुनाव में हारा और किसने चुनाव लड़ने की हिम्मत न की यह सूची पर्याप्त बड़ी है। लेकिन इतना कहने में हर्ज नहीं है कि नेपाली मतदाता ने सारे वादों अर्थात विचारधारा का नाम लेकर राजनैतिक नौटंकी करने वालों को ठुकराया है। इसमें कम्युनिष्ट खेमे के की दल तो हैं ही, दक्षिणपंथी और राजा समर्थक दल भी हैं। एक पार्टी तो सीधे राजतन्त्र की वापसी के नाम पर इस लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में हिस्सा ले रही थी। एक सीधे चीन समर्थक पार्टी थी। ज्यादा दिलचस्प मामला मधेश और पहाड़ या किसी जाति और क्षेत्र का नाम लेकर राजनीति करने वालों की दुर्गति भी रही। खुद बालन शाह के मैथिली बयान या मधेशी होने का सवाल भी उठाया गया लेकिन लगता नहीं कि मतदाता इन बातों से किसी भी तरह प्रभावित हुआ। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को दो तिहाई बहुमत का मतलब बहुत बड़ा है और वह नए कानून बनाने से लेकर इस पर्वतीय राष्ट्र की किस्मत बनाने-बिगाड़ने के लिए कोई भी कदम उठा सकती है। पर उसकी अपनी राजनीति भी है और प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेंदु उर्फ बालेन शाह और पार्टी अध्यक्ष रबी लामछिने के बीच भी दोस्ती चुनाव के पहले ही हुई है। लामछिने के खिलाफ कई गंभीर आरोप भी हैं। 35 साल के बालेंदु शाह ने अभी तक पर्याप्त समझदारी दिखाई है लेकिन काठमांडू शहर के शासन और नेपाल के शासन में फरक है। उम्मीद करनी चाहिए कि उनका उत्साह और नई ऊर्जा इस जवाबदेही को बहुत बढ़िया ढंग से पूरा करने में मदद देगी। चुनावी वायदों का पिटारा काफी बड़ा यही लेकिन आंख से दिखती मुश्किलों का पहाड़ वास्तविक पहाड़ों से कम ऊंचा नहीं है। बालेंदु शाह के साथ किसी वाद का तमगा नहीं है ना ही उन्होंने इस तरह के श्फामूर्लेश वाले ज्यादा वायदे किए हैं। लेकिन वे विचारधारा से मुक्त होंगे और स्वतंत्र पार्टी का मतलब किसी किस्म की मूल्यगत निष्ठा से स्वतंत्र होना नहीं है। बेरोगजारी, गरीबी, प्राकृतिक संसाधनों का कुप्रबंध या लूट, भारत और चीन जैसे दो बड़े पड़ोसी देशों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ने की चुनौती और लोकतान्त्रिक व्यवस्था में ही दिखी कमजोरियों को दुरुस्त करने का काम इतना बड़ा है कि इन पड़ोसियों से किसी किस्म की होड़ लेने या दांव-पेंच दिखाने की फुरसत नहीं होगी। अभी तक लोकतान्त्रिक व्यवस्था से चुने गए अधिकांश सरकारों ने नेपाल की खास भौगोलिक अवस्थिति का लाभ अपने स्वार्थ साधने में किया। इस बार नेपाली राजनीति के तीन सूरमा, के पी ओली, शेर बहादुर देउबा और प्रचंड एकदम हाशिये पर आ गए हैं-देउबा जी को तो उनकी पार्टी नेपाली कांग्रेस के नए नेताओं ने ही घर बैठा दिया तो ओली की बुरी तरह पराजय हुई है। प्रचंड जरूर चुनाव जीते हैं लेकिन उनकी पार्टी दूसरे स्थान पर भी नहीं रह पाई। यह जगह गिरते-पड़ते नेपाल कांग्रेस को ही मिली है। फिर बाबूराम भट्टराई जैसे पूर्व सहयोगी के अलग दल बनाने से भी प्रचंड की पार्टी कमजोर हुई है। संभव है सारी कम्युनिस्ट पार्टियां फिर से एकजुटता का स्वर बुलंद करें लेकिन दुनिया में साम्यवाद की हालत और नेपाल में कम्युनिस्ट नेताओं द्वारा सत्ता संभालने का बुरा अनुभव लोगों को उन पर फिर विश्वास का मौका देगा यह कहना जल्दबाजी होगी। गगन थापा और शेर बहादुर देउबा की लड़ाई से नेपाल कांग्रेस बंटी पड़ी है लेकिन जब समानुपातिक प्रणाली से सीटें भरने का अवसर आएगा तब देउबा फिर ताकतवर होंगे क्योंकि चुनाव आयोग को नाम भेजने का काम उनके समय ही हुआ है। अब चुनावी धुलाई के बाद जल्दी से राजशाही समर्थक पार्टी या अनेक नामधारी लेकिन अलग-अलग जातीय प्रभाव वाले मधेशी दलों में भी कितना टिक पाएंगे यह देखने की चीज होगी। ऐसे बड़े और साफ जनादेश के बाद बालेंदु शाह के लिए तात्कालिक राजनैतिक चुनौतियां तो कम होंगी लेकिन उनको वापस लौटने में देर नहीं लगती। जिस तरह लोगों ने पुरानी राजनीति को ठुकराया है वैसा ही बदलाव एक अन्य मामले में दिखता है। के पी ओली और उनकी पार्टी की हार उनकी मौकापरस्त राजनीति के साथ नेपाल की राजनीति में चीनी दखल की कूटनीति को नकारना भी है। सौभाग्य से इस बार भारत की तरफ से या किसी भारतीय दल की तरफ से कोई ज्यादा नुकसानदेह बयानबाजी या बकवास नहीं किया गया। बालन शाह का एकाध भारत विरोधी बयान चलाने की कोशिश हुई तो यह तथ्य आने में देर नहीं हुई कि वह किसी और चीजध्गलती की प्रतिक्रिया थी। नए आदमी के लिए राजनयन भी कोरे पन्ने के साथ शुरू हो तो अच्छा रहता है। लेकिन मुख्य मसला देसी ही रहने वाला है क्योंकि नेपाल के पास अपनी समस्याओं की कमी नहीं है और समस्याओं में असली समस्या नेताओं और जिम्मेवार लोगों का भ्रष्टाचार या भाई भतीजावाद की रही है।

अलविदा की नमाज में देश की समृद्धि के जिले विशेष दुआयें कीं

लखनऊ (संवाददाता)। बैतुल मुकद्दस और किब्ला अव्वल जैसी मुबारक जगहों पर अमेरीकी सरकार की साजिशों से इज्राईलियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होने फिलिस्तीन के निवासियों पर जुल्म व सितम के पहाड़ तोड़ रखे हैं जिसका उदाहरण पूरी दुनिया में नही मिलती। वह निर्दोष फिलिस्तीनी मुसलमानों का कत्ल-ए-आम कर रहे हैं। इन विचारों को इमाम ईदगाह व काजी-ए-शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने प्रकट किया। वह जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में अलविदा की नमाज से पहले नमाजियों की बहुत बड़ी भीड़ को सम्बोधित कर रहे थे। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि जिस के भी पहलू में इंसानी दिल है वह निर्दोष फिलिस्तीनी मुसलमानों पर किये जाने वाले कयामत खेज जुल्म पर बेचैन हो जायेगा। उन्होने हजारों फिलिस्तीनी शहीदों के लिए दुआये मगफिरत की और गज्जा के गाजियों के जीत व नुसरत की दुआयें कीं। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि मस्जिद अकसा मस्जिद हराम और मस्जिद नबवी सल्ल0 के बाद तीसरी सबसे मोहतरम मस्जिद है। नबी पाक सल्ल0 और आपके सहाबा ने 17 माह इस की तरफ रुख करके नमाजें पढ़ी हैं।

तेजी से झड़ रहे हैं आपके बाल? कहीं पाचन की गड़बड़ी तो नहीं है इसकी वजह

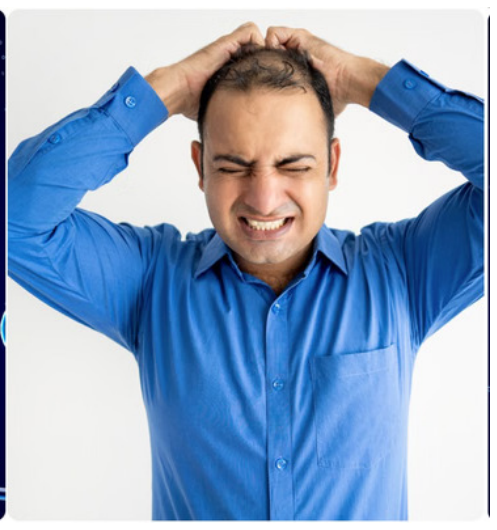

भारतीय पुरुषों में अनियमित खानपान, स्ट्रेस और पोषण की कमी के कारण बाल झड़ने की समस्या तेजी से बढ़ रही है। अगर आपके बाल भी बहुत ज्यादा झड़ रहे हैं तो गट हेल्थ की जांच करा लीजिए। हो सकता है यही मुख्य वजह हो। बाल झड़ने, बालों के सफेद होने को कुछ दशकों पहले तक उम्र बढ़ने का लक्षण माना जाता था, हालांकि अब ये दिक्कतें कम उम्र के लोगों में भी बढ़ती जा रही हैं। इतना ही नहीं 20 से कम आयु के कई लोग सफेद हो चुके बाल या गंजेपन की समस्या का शिकार देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों की खराब जीवनशैली, आहार में पोषक तत्वों की कमी, बढ़ते तनाव ने बालों की समस्याओं को पहले की तुलना में अब काफी बढ़ा दिया है। बालों के झड़ने के लिए जेनेटिक्स को एक बड़ा कारण माना जाता है, मतलब अगर आपके पिता को बाल झड़ने या गंजेपन की समस्या रही है तो बच्चों में इसका खतरा अधिक होता है। पुरुष ही नहीं महिलाएं भी हेयर फॉल से परेशान देखी जा रही हैं। पीसीओएस, थायरॉयड की समस्या और पोषण की कमी की वजह से महिलाओं में बालों से संबंधित दिक्कतें होती हैं। लाइफस्टाइल और आनुवांशिकता के अलावा अध्ययन में शोधकताओं ने बाल झड़ने के लिए गट हेल्थ यानी आंतों से संबंधित समस्याओं को भी जिम्मेदार बताया है। मतलब अगर आपका पाचन गड़बड़ है तो इस वजह से भी बाल झड़ सकते हैं। आइए इस कनेक्शन को समझ लेते हैं।

गट हेल्थ और बाल झड़ने के बीच कनेक्शन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बालों का पतला-कमजोर होना, हेयरलाइन का पीछे जाना और इससे जुड़ी दूसरी समस्याएं सभी जेंडर के लोगों में तेजी से आम होती जा रही हैं। जब बात पुरुषों की हो तो ये दिक्कत और भी ज्यादा नोटिस की जाती है। पर क्या आप जानते हैं कि बालों का झड़ना सिर्फ कॉस्मेटिक समस्या नहीं है, इसके पीछे आपका खराब पाचन भी जिम्मेदार हो सकता है। खराब गट हेल्थ और बाल झड़ने के बीच कनेक्शन को समझने के लिए बालों का इलाज करने वाली एक निजी कंपनी ने सर्वे किया।

कंपनी ने दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 में भारत के दस क्षेत्रों - महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और तमिलनाडु से 1.6 लाख से ज्यादा पुरुषों के हेल्थ डेटा का विश्लेषण किया।

प्रतिभागियों के गट हेल्थ की समस्या जैसे कब्ज होने, पेट खराब रहने जैसे संकेतकों पर भी गौर किया गया।

इसमें पाया गया कि जिन पुरुषों की गट हेल्थ गड़बड़ रहता था उनमें बालों के झड़ने का खतरा अन्य की तुलना में कहीं ज्यादा देखा गया।

सर्वे में क्या पता चला?

रिपोर्ट में पाया गया कि 2024 की तुलना में 2025 में बहुत कम पुरुषों ने अपनी आंतों की सेहत बेहतर होने की बात कही। विशेषज्ञों ने इसे नेशनल ट्रेंड माना, ये भारत के सबसे बड़े शहरी और आर्थिक रूप से सक्रिय राज्यों में ज्यादा देखी गई। हजारों पुरुषों में पाचन संबंधी समस्या और पेट की क्रॉनिक स्थितियों के लक्षण के बारे में जानकारी दी। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह रुझान ग्रामीण इलाकों या कुपोषण से जुड़ा हुआ नहीं है। बल्कि, यह भारत के शहरी, शिक्षित और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्रों में सबसे आम है। इससे पता चलता है कि आधुनिक जीवनशैली के तरीके एक प्रमुख कारक हैं। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन, व्यस्त दिनचर्या और लगातार काम करने की वजह से खाने के समय में अनियमितता, पानी कम पीना, तनाव जैसी स्थितियों को गट और बाल दोनों की समस्याओं को बढ़ाने वाला पाया गया।

आंतों की समस्या से बाल क्यों हो जाते हैं कमजोर?

शोधकताओं ने बताया, जिन लोगों का गट हेल्थ ठीक नहीं रहता है उनमें पोषक तत्वों के अवशोषण की समस्या देखी जाती है, जो बालों के झड़ने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

आतें भोजन से प्रोटीन, आयरन, जिंक और विटामिन-बी का अवशोषण करती हैं जो बालों के फॉलिकल्स को मजबूत रखने के लिए जरूरी हैं।

बालों के रेशे लगभग 90% केराटिन से बने होते हैं, जो अमीनो एसिड से बना एक प्रोटीन है।

माइक्रोबायोम में गड़बड़ी के कारण आंत का काम ठीक से नहीं हो पाता, तो ये पोषक तत्व बालों के फॉलिकल्स तक सही मात्रा में नहीं पहुंच पाते।

इसका नतीजा यह होता है कि बाल संरचनात्मक रूप से कमजोर हो जाते हैं और तेजी से झड़ने लगते हैं।

इसके अलावा आंत की कमजोरी पूरे शरीर में इंफ्लेमेशन पैदा कर सकती है, जिससे बालों के बढ़ने का चक्र बिगड़ जाता है।

बाल झड़ने से कैसे रोकें?

बाल झड़ने से बचाव के लिए सबसे पहले जीवनशैली और खान-पान को सही करना जरूरी है। बाल मुख्य रूप से केराटिन प्रोटीन से बने होते हैं, इसलिए प्रोटीन से भरपूर भोजन जैसे दाल, अंडा, दूध, पनीर, सोयाबीन और नट्स का सेवन जरूरी है।

इसके अलावा आयरन, बायोटिन, विटामिन डी और जिंक बालों की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

तनाव कम करना भी जरूरी है, क्योंकि क्रोनिक स्ट्रेस हेयर फॉल को बढ़ा सकता है।

योग, ध्यान और नियमित व्यायाम से तनाव कम किया जा सकता है।

अगर बाल झड़ना बहुत ज्यादा हो रहा है, तो समय रहते त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। समय रहते दवाएं या मेडिकल ट्रीटमेंट से गंजेपन के खतरे को कम किया जा सकता है।

गैस बचाने का सही समय! इन 6 आसान किचन हैक्स से ज्यादा दिनों तक चलेगा एलपीजी सिलेंडर

आजकल दुनिया भर में बढ़ती महंगाई का असर भारत पर भी पड़ रहा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ऐसे समय में घर का बजट संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इसी कारण अब जरूरी हो गया है कि हम रसोई में गैस का इस्तेमाल समझदारी से करें। अगर आपका एलपीजी सिलेंडर सामान्य तौर पर 30 दिन चलता है और आप कुछ छोटे-छोटे किचन टिप्स अपनाते हैं, तो वही सिलेंडर 40,45 दिन तक भी चल सकता है। इससे साल भर में आप 3 से 4 सिलेंडर तक की बचत

कर सकते हैं। दरअसल, हम अक्सर रसोई में अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनसे गैस ज्यादा खर्च होती है। लेकिन अगर कुछ आसान आदतें बदल ली जाएं, तो गैस की खपत काफी कम की जा सकती है। आइए जानते हैं ऐसे 6 आसान किचन हैक्स जो गैस बचाने में मदद करेंगे।

खाना हमेशा ढककर पकाएं

खाना बनाते समय बर्तन को ढक्कन से ढकना सबसे आसान और असरदार तरीका है। जब बर्तन खुला रहता है तो भाप के साथ गर्मी बाहर निकल जाती है, जिससे खाना पकने में ज्यादा समय लगता है। अगर बर्तन को ढक दिया जाए तो भाप अंदर ही रहती है और खाना जल्दी पक जाता है। इससे लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक गैस की बचत हो सकती है।

गैस जलाने के बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, वर्ना हो सकती है लीक

बर्तन का सही आकार चुनें

रसोई में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों का आकार भी गैस बचाने में अहम भूमिका निभाता है। अगर छोटा बर्नर है तो छोटे बर्तन का ही इस्तेमाल करें। बड़े बर्तन को छोटे बर्नर पर रखने से गैस ज्यादा खर्च होती है और खाना भी सही तरीके से नहीं पकता। इसलिए बर्नर के अनुसार बर्तन चुनना जरूरी है।

दाल और चावल को पहले भिगो लें

दाल, चावल, राजमा या छोले जैसी चीजें पकाने से पहले कम से कम आधे घंटे तक गुनगुने पानी में भिगो देना चाहिए। इससे दाने नरम हो जाते हैं और जल्दी पकते हैं। इससे कुकर में सीटी कम लगती है और गैस की बचत होती है।

मध्यम आंच पर खाना बनाएं

कई लोग जल्दी खाना बनाने के लिए तेज आंच का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे गैस ज्यादा खर्च होती है। मध्यम आंच पर खाना बनाने से गैस की खपत कम होती है और खाना भी बेहतर तरीके से पकता है।

प्रेशर कुकर का ज्यादा इस्तेमाल करें

प्रेशर कुकर गैस बचाने के लिए बहुत उपयोगी होता है। कुकर के अंदर भाप का दबाव बनता है, जिससे खाना जल्दी पक जाता है। दाल, सब्जी, चावल और कई अन्य चीजें कुकर में बनाने से समय और गैस दोनों की बचत होती है।

गैस बर्नर की सफाई करते रहें

अगर गैस बर्नर से पीली आंच निकल रही है, तो इसका मतलब है कि गैस ठीक से नहीं जल रही और बर्नर के छेद बंद हो गए हैं। इससे गैस ज्यादा खर्च होती है। इसलिए बर्नर को समय-समय पर पुराने टूथब्रश और नींबू या बेकिंग सोडा से साफ करते रहना चाहिए। साफ बर्नर से नीली और तेज आंच मिलती है, जिससे गैस की बचत होती है। गैस बचाना सिर्फ पैसे बचाने का तरीका नहीं है, बल्कि यह संसाधनों का सही उपयोग भी है। अगर आप इन आसान किचन हैक्स को अपनी रोजमर्रा की आदत बना लेते हैं, तो आपका एलपीजी सिलेंडर पहले से कई दिन ज्यादा चल सकता है और महीने के खर्च में भी अच्छी बचत हो सकती है।

मुसीबत के समय आप तक मदद पहुंचाएगा मोबाइल का ये फीचर, जानें इस्तेमाल का तरीका

अगर आप अकेले रहते हैं या फिर अकेले यात्रा करते हैं तो आपके मोबाइल में ये फीचर ऑन अवश्य होना चाहिए। यहां इस लेख में मोबाइल के इस इमरजेंसी फीचर के बारे में हम आपको जानकारी देंगे। आज के समय में सुरक्षा और सतर्कता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है, खासकर उन लोगों के लिए जो अकेले रहते हैं या अकेले यात्रा करते हैं। ऐसे में आपके मोबाइल फोन में एक इमरजेंसी फीचर होना बेहद जरूरी है। यह फीचर आपको अचानक किसी खतरनाक स्थिति में तुरंत मदद पाने में सक्षम बनाता है। मोबाइल के इस इमरजेंसी फीचर के माध्यम से आप अपने चुने हुए संपर्कों को अलर्ट कर सकते हैं, अपनी लोकेशन शेयर कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर पुलिस या एम्बुलेंस जैसी सेवाओं को तुरंत सूचित कर सकते हैं। इस लेख में हम विस्तार से बताएंगे कि यह इमरजेंसी फीचर कैसे काम करता है, इसे कैसे एक्टिवेट करें और किन परिस्थितियों में इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

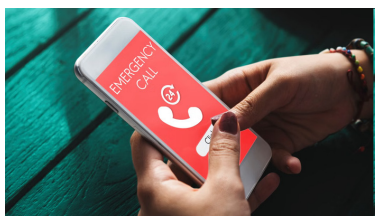

अधिकांश स्मार्टफोन में आज इमरजेंसी रडर फीचर दिया गया है। इस फीचर का मुख्य उद्देश्य अचानक खतरनाक या आपात स्थिति में तुरंत मदद प्राप्त करना है। जब आप रडर फीचर को सक्रिय करते हैं, तो यह आपके पहले से चुने हुए संपर्कों को अलर्ट भेजता है। इसके साथ ही यह आपकी वर्तमान लोकेशन साझा करता है ताकि आपके परिवार या मित्र तुरंत आपके पास पहुंच सकें या आवश्यक मदद भेज सकें। कुछ स्मार्टफोन इस फीचर में लाइव ट्रैकिंग का विकल्प भी देते हैं।

2. इसे कैसे एक्टिवेट करें

इमरजेंसी रडर फीचर को एंड्रॉइड और रडर दोनों में सेटिंग्स के माध्यम से आसानी से ऑन किया जा सकता है। इसके लिए आपको अपने फोन की सेटिंग्स में सुरक्षा या इमरजेंसी सेक्शन में जाना होगा और रडर फीचर को सक्रिय करना होगा। आप यह भी चुन सकते हैं कि आपके किन-किन संपर्कों को यह अलर्ट मिलेगा। कुछ फोन में यह सुविधा पावर बटन या साइड बटन को लगातार दबाने पर भी सक्रिय हो जाती है।

3. अन्य सुरक्षा फीचर्स भी हैं काम के

कुछ स्मार्टफोन में रडर के साथ अतिरिक्त सुरक्षा फीचर्स भी आते हैं। उदाहरण के लिए रडर के समय फोन में अलार्म या तेज आवाज का विकल्प भी होता है, जिससे आसपास के लोग खतरनाक स्थिति का तुरंत पता लगा सकें और मदद के लिए प्रतिक्रिया कर सकें।

गर्मियों में जल्दी थक जाते हैं? ये योगासन बढ़ाएंगे शरीर की एनर्जी

गर्मियों में तेज धूप, ज्यादा पसीना और शरीर में पानी की कमी के कारण जल्दी थकान महसूस हो सकती है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखना और नियमित योग या हल्की एक्सरसाइज करना ऊर्जा बनाए रखने में मदद कर सकता है। गर्मियों का मौसम आते ही कई लोगों को जल्दी थकान, सुस्ती और कमजोरी महसूस होने लगती है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण शरीर पर ज्यादा असर पड़ता है, जिससे दिनभर एनर्जी कम लग सकती है। ऐसे में अगर आप कुछ आसान योगासन अपने रूटीन में शामिल करें, तो शरीर को ऊर्जा मिल सकती है और थकान कम महसूस हो सकती है। गर्मियों में थकान महसूस होना आम समस्या हो सकती है, लेकिन सही दिनचर्या और नियमित योग के जरिए शरीर को एक्टिव और ऊर्जावान रखा जा सकता है। अगर आप रोजाना कुछ मिनट योग करते हैं और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाते हैं, तो गर्मियों में भी शरीर में एनर्जी और ताजगी बनी रह सकती है।

गर्मियों में थकान क्यों होती है

गर्मी के मौसम में थकान महसूस होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। ज्यादा पसीना आने से शरीर में पानी की कमी

तेज धूप और गर्म तापमान

नींद की कमी

अनियमित खान-पान

इन कारणों से शरीर जल्दी थक सकता है और सुस्ती महसूस हो सकती है।

ताड़ासन

ताड़ासन शरीर की स्ट्रेचिंग और संतुलन के लिए अच्छा माना जाता है। यह आसन शरीर को एक्टिव बनाने में मदद कर सकता है। इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और शरीर ऊपर की ओर स्ट्रेच करें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें।

भुजंगासन

भुजंगासन पीठ और शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं। हाथों के सहारे शरीर को ऊपर उठाएं। कुछ सेकंड तक इसी स्थिति में रहें।

प्राणायाम

प्राणायाम शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने में मदद करता है। रोजाना कुछ मिनट गहरी सांस लेने की प्रक्रिया करने से मन शांत और शरीर ऊर्जावान महसूस कर सकता है। इससे आराम देता है। बालासन के अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठकर शरीर को आगे की ओर झुकाएं। फिर माथे को जमीन पर टिकाते हुए हाथों को आगे की ओर फैलाएं। गहरी सांस लें और इस स्थिति में आराम करें।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार कई योगासन का मिश्रण है और इसे करने से शरीर में लचीलापन और ऊर्जा बढ़ सकती है।

बालासन

बालासन एक रिलैक्सिंग योगासन है जो शरीर और दिमाग को

रोजाना रोटी-सब्जी के साथ खा लें 2 हरी मिर्च, शरीर में होंगे ये 3 बड़े बदलाव

ज्यादातर लोगों को लगता है कि हरी मिर्च खाने में सिर्फ तीखापन और स्वाद ही जोड़ती है, लेकिन यह एक सुपरफूड भी है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। न्यूट्रिशनिस्ट लीमा महाजन के अनुसार, अगर आप रोजाना खाने के साथ 2 हरी मिर्च शामिल करते

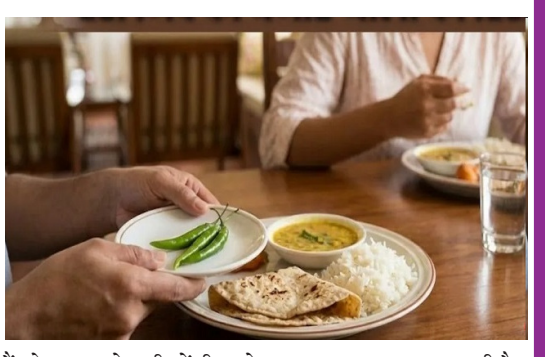

हैं, तो यह आपके शरीर में तीन बड़े सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

मेटाबॉलिज्म होता है बेहतर

हरी मिर्च के सफेद हिस्से में मौजूद कैप्सेसिन थर्मोजेनेसिस को बढ़ाता है, जिससे शरीर अधिक कैलोरी बर्न करता है। इससे न सिर्फ मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, बल्कि पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। हरी मिर्च डाइजेस्टिव एंजाइम्स और गैस्ट्रिक जूस को सक्रिय कर पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करती है।

विटामिन सी से भरपूर

100 ग्राम हरी मिर्च में नींबू से भी ज्यादा विटामिन सी होता है। यह इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और कोलेजन प्रोडक्शन में मदद करता है। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर है, उनके लिए हरी मिर्च बेहद फायदेमंद साबित होती है।

ब्लड शुगर बैलेंस में मददगार

हरी मिर्च में मौजूद कैप्सेसिन इंसुलिन रिस्पॉन्स को बेहतर करता है। इसके सेवन से खाने के बाद ग्लूकोज स्पाइक नहीं होता और ब्लड शुगर का लेवल संतुलित रहता है, जिससे शरीर में शुगर कंट्रोल बना रहता है।

रिश्ते में दिखें ये 7 संकेत तो संभल जाएं, वरना देर हो जाएगी

जब आप किसी को पसंद करते हैं या उससे प्यार करते हैं तो उनकी बुरी आदतों या गलतियों को नजरअंदाज करने लगते हैं। लेकिन अगर बार-बार आपका साथी वही हरकते करता है तो संभल जाएं। रिश्ते या प्यार के नाम पर पार्टनर की हर गलत हरकत को अनदेखा न करें, क्योंकि ये आपके रिश्ते को बचाता नहीं, बल्कि खोखला बनाता है। हर रिश्ता भरोसे, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है। लेकिन जहां इन चीजों की कमी दिखे वहां तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। पार्टनर या रिश्ते में दिखने वाले वह संकेत जो आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकते हैं, उन्हें रिलेशनशिप का रेड फ्लैग्स कहा जाता है। अगर आपके रिश्ते में ये संकेत दिख रहे हैं, तो समय रहते संभलना जरूरी है। रेड फ्लैग्स को नजरअंदाज करना भविष्य में मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। खुलकर बात करें और जरूरत पड़े तो विशेषज्ञ की सलाह लें। आइए जानते हैं क्या है आपके रिश्ते में रेड फ्लैग और कैसे पहचानें।

जरूरत से ज्यादा कंट्रोल करना

प्यार के नाम पर पार्टनर आपसे अपनी मनमर्जी करता है या अपने फैसले आप पर थोंपता है तो इसे उनका प्यार या परवाह समझने की भूल न करें। अगर पार्टनर आपकी हर गतिविधि पर नजर रखता है, दोस्तों से मिलने से रोकता है या हर फैसले में दखल देता है, तो यह हेल्दी रिलेशनशिप नहीं है।

बार-बार झूठ बोलना

एक अच्छे और सच्चे रिश्ते में ईमानदारी व सच्चाई होती है। लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जहां लोग अपने पार्टनर से बातें छुपाते हैं या उनसे झूठ बोलते हैं। बार-बार पार्टनर से झूठ बोलने का मतलब है कि आपके रिश्ते में विश्वास है ही नहीं। छोटे-छोटे झूठ भी रिश्ते की नींव कमजोर कर देते हैं। इसलिए पार्टनर अगर झूठ बोलता है और आप उनका झूठ कई बार पकड़ चुके हैं तो अब उनके झूठ और अपने रिश्ते दोनों पर ब्रेक देने की जरूरत है।

गुस्से में अपमान करना

कपल के बीच बहस या विवाद होना स्वाभाविक है। लड़ाई झगड़े गलत नहीं लेकिन इस दौरान अपनी सीमा भूल जाना और गुस्से में पार्टनर का अपमान करना गलत है। बहस के दौरान पर्सनल अटैक, गाली, बेज्जती या मारपीट बड़ी चेतावनी है कि आपके रिश्ते में सम्मान नहीं है। और जहां सम्मान नहीं होता, वहां प्यार जहर के समान हो जाता है।

गैसलाइटिंग

गैसलाइटिंग एक तरह का मानसिक शोषण है। इसमें पार्टनर आपकी याददाश्त, धारणा और मानसिक स्थिति पर संदेह करने को मजबूर कर देता है। पार्टनर आपको गलत साबित करने की कोशिश में आपको ही दोषी ठहराने लगता है। तुम पागल हो क्या, मैंने ऐसा कभी कहा ही नहीं, तुम बात का बतंगड़ बनाती हो, तुम्हारी याद बहुत कमजोर होती जा रही है, आदि ये वो बातें हैं जो पार्टनर अक्सर कहकर आपको गलत साबित करने का प्रयास करते हैं। खुद पर संदेह न करें, आपके रिश्ते में हो रही इस गैसलाइटिंग को समझें।

भरोसे की कमी

क्या आपका पार्टनर चुपके चुपके आपका फोन चेक करता है? आपके दोस्तों को पसंद नहीं करता है या अक्सर आपके किसी खास दोस्त को लेकर टॉन्ट देता है? इसका मतलब है कि वह आप भी शक करता है। शक रिश्ते को खोखला बनाता है। हर समय शक करना रिश्ते को धीरे-धीरे खत्म कर देता है।

इमोशनल सपोर्ट न देना

कपल एक दूसरे पर भावनात्मक तौर पर निर्भर होते हैं। वह एक दूसरे का साथ मुश्किल वक्त में देते हैं और उम्मीद करते हैं कि जब वह अकेलापन महसूस करें या दुखी हों तो उनका साथी उन्हें संभाले। लेकिन अगर आपके रिश्ते में इस चीज की कमी है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। अगर मुश्किल समय में साथ न मिले, तो रिश्ता अधूरा रह जाता है।

भविष्य की अनिश्चितता

कुछ कपल एक दूसरे के साथ घूमते फिरते हैं, लेकिन भविष्य को लेकर पार्टनर उन्हें कोई ठोस उत्तर नहीं दे रहा होता है। वह कमिटमेंट से बचने को कोशिश करे और भविष्य को लेकर उनकी कोई योजना न हो तो आपको इस रिश्ते के बारे में दोबारा सोचना चाहिए। क्योंकि हो सकता है कि आपका साथी सिर्फ टाइमपास कर रहा हो। उसके मन में आपके लिए प्यार न हो। ऐसे में भविष्य में आपका दिल ही दुखेगा।

एमार इंडिया ने एलीट ओएसिस परियोजना के लिए भूमिपूजन किया

लखनऊ (संवाददाता)। विश्व-प्रसिद्ध रियल एस्टेट ब्रांड एमार की भारतीय इकाई एमार इंडिया ने लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन में अपनी पहली प्रीमियम हाई-राइज आवासीय परियोजना एलीट ओएसिस के लिए भूमिपूजन समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम के साथ ही इस लैंडमार्क प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की आधिकारिक शुरूआत हो गई है। इस समारोह में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, परियोजना से जुड़े साझेदार और अन्य प्रमुख लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक पूजा-अर्चना और शुभ अनुष्ठानों के साथ की गई। लगभग 2.923 एकड़ (11,827 वर्ग मीटर) क्षेत्र में फैला एलीट ओएसिस लखनऊ की सबसे ऊंची आवासीय इमारतों में से एक होगा। इसमें ग्राउंड के साथ 35 मंजिलों वाला टावर बनेगा, जिसमें कुल 194 लग्जरी आवास होंगे। इनमें 3बीएचके साथ में यूटिलिटी एरिया और 4बीएचके के साथ यूटिलिटी एरिया जैसे प्रीमियम घर शामिल हैं। इस परियोजना को एक ही चरण में लॉन्च किया गया है और इसके 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट लखनऊ की स्काईलाइन को एक नई पहचान देने के लिए तैयार है।

सूर्यकुमार ने सुनाई कहानी; बताया- संजू को मुश्किल समय में क्या कहा था

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संजू सैमसन के संघर्ष और शानदार वापसी का किस्सा साझा किया। शुरूआती मैचों में बाहर रहने के बावजूद सैमसन ने लगातार तीन अर्धशतक लगाए। सूर्यकुमार और हार्दिक पांड्या की टीम मीटिंग के बाद भारत के अभियान की दिशा बदल गई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत कई यादगार कहानियों से भरी रही। इनमें सबसे प्रेरणादायक कहानी दो विकेटकीपर बल्लेबाजों ईशान किशन और संजू सैमसन की रही। ईशान की जहां अचानक टी20 विश्वकप टीम में एंट्री हुई, वह संजू टूनार्मेंट की शुरूआत में प्लेइंग इलेवन तक में शामिल नहीं थे। हालांकि, टूनार्मेंट में दोनों का प्रदर्शन जबरदस्त रहा। सैमसन ने लगातार तीन अर्धशतक लगाकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें टूनार्मेंट का प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट भी चुना गया। अब सूर्यकुमार ने खुलासा किया है कि ईशान किशन की टीम में वापसी कैसे हुई थी। साथ ही कप्तान ने यह भी बताया कि सैमसन को उनके मुश्किल दौर में उन्होंने क्या नसीहत दी थी। सूर्यकुमार ने बताया सैमसन के साथ बातचीत भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि जब सैमसन टीम से बाहर थे, तब दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी। सूर्य ने बताया कि सैमसन खुद उनके पास आए थे और टीम में अपनी भूमिका के बारे में जानना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'संजू के पास बहुत टैलेंट है। वह विकेटकीपर हैं और टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं। मुझे याद है वह एक बार मेरे पास आए और बोले, 'बस मुझे बता दीजिए कि टीम मुझसे क्या चाहती है। हमने उनसे कहा कि हमें वही संजू सैमसन चाहिए जो गेंदबाजों पर हमला करते हैं।' सूर्य ने यह भी बताया कि सैमसन ने टीम के सामने भी साफ कहा था कि वह पहले टीम की जरूरत को प्राथमिकता देंगे। सूर्यकुमार ने बताया, 'उसने पूरी टीम से कहा कि हम पहले वही करेंगे जो टीम चाहती है, उसके बाद अपनी सोचेंगे। तभी हम कुछ खास हासिल कर पाएंगे।' मुश्किल समय में कप्तान ने किया हौसला सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब सैमसन प्लेइंग इलेवन में नहीं थे, तब उन्होंने उन्हें धैर्य रखने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, 'जब वह नहीं खेल रहे थे, तब मैंने उनसे कहा कि यह कठिन दौर है लेकिन इसे स्वीकार करो। अगर भगवान ने तुम्हारे लिए कुछ लिखा है तो वह जरूर मिलेगा।' सूर्य के मुताबिक सैमसन लगातार मेहनत कर रहे थे और मौका मिलने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'वह खुद को तैयार कर रहे थे कि अगर मौका मिला तो उसे पकड़ लेना है और पूरी दुनिया देखेगी।' कैसे टीम इंडिया में हुई थी ईशान किशन की वापसी? सूर्यकुमार ने इस बात का भी खुलासा किया है कि अचानक टीम इंडिया के रडार पर ईशान किशन कैसे आए। ईशान पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे और उन्हें अचानक टी20 विश्वकप की टीम में चुना गया और इसके बाद ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूरे टूनार्मेंट में अहम समय में उनका बल्ला चला और ईशान ने कई तूफानी पारियां खेलीं। सूर्यकुमार ने बताया, 'टूनार्मेंट शुरू होने से पहले जब मैं टीम का चयन कर रहा था, तो मैंने ईशान से बातचीत की थी। मैंने उनसे पूछा था कि क्या आप मेरे लिए विश्वकप जीतोगे? इस पर ईशान ने मुझे जवाब दिया कि मुझ पर थोड़ा बहुत विश्वास दिखाओ और मैं जिताऊंगा। हमारी विश्वकप से पहले यही बातचीत हुई थी।' ईशान के संघर्ष पर बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'ईशान ने हमें निराश नहीं किया। जिस तरह से उन्होंने खेला, वह देखना शानदार था। उन्होंने पिछले दो साल में काफी संघर्ष किया है। काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिस किया। हालांकि, इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट में लौटे और घरेलू टूनार्मेंट्स खेले, अपना रोल बखूबी निभाया, कड़ी मेहनत की और टीम इंडिया में वापसी की और वही किया जो करने में वह बेस्ट हैं।'

कुलदीप-वंशिका की शादी में शामिल होने पहुंचे रिंकू-प्रिया; आज हल्दी-मेहंदी कार्यक्रम

मुंबई। क्रिकेटर कुलदीप यादव की शादी पहाड़ों की रानी मसूरी में होने जा रही है। इसके शादी में क्रिकेट जगत की बड़ी हस्तियां भी शामिल हो सकती हैं। भारत के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव 14 मार्च को मसूरी में लखनऊ की वंशिका के साथ सात फेरे लेंगे। शादी को लेकर कार्यक्रम की तैयारियों जोर शोर से चल रही हैं। इसी कड़ी में मेहमानों का भी मसूरी पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। शुक्रवार को

कुलदीप के खास दोस्त और टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह अपनी मंगेतर प्रिया सरोज के साथ मसूरी जाते हुए कैप्चर हुए। दोनों के देहरादून एयरपोर्ट से बाहर निकलने का वीडियो सामने आया है। इसी दौरान जब रिंकू से पत्रकारों ने टी20 विश्वकप जीत पर सवाल किया तो रिंकू ने कहा- यह बड़ी उपलब्धि है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव शादी के लिए दुल्हन वंशिका सिंह के साथ मसूरी पहुंच गए हैं। शहर के होटल द वेलकम सवाय पहुंचे में उनकी शादी की तैयारी जोरों शोरों से चल रही है। आज 13 मार्च को कुलदीप यादव की मेहंदी, हल्दी की रस्में होंगी। इसकी सभी तैयारी पूरी हो गई हैं। 14 मार्च को उनकी शादी होगी। शादी समारोह को पूरी तरह से निजी रखा जाएगा। दो दिनों तक बाहर से कोई भी पर्यटक होटल में नहीं पहुंच पाएंगे। शादी के लिए पूरा होटल बुक किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। बता दें कि उनकी सगाई जून 2025 में हुई थी। बताया जा रहा है कि उनकी शादी को पूरी तरह से निजी रखा गया है। शादी में परिवार, करीबी दोस्तों के साथ ही क्रिकेट जगत की प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। पहले शादी नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन भारतीय टीम के मैच होने और टी20 विश्वकप में कुलदीप का चयन होने के कारण तारीख आगे बढ़ाई गई।

गांगुली ने कीवियों की बड़ी गलती बताई ; कहा- गंभीर टीम इंडिया को महान बनाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की धमाकेदार बल्लेबाजी और बड़ी जीत के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने न्यूजीलैंड की रणनीति को बड़ी भूल बताया। उनका कहना है कि टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी देना न्यूजीलैंड के लिए 'टैक्टिकल डिजास्टर' साबित हुआ और मैच शुरू होने के आधे घंटे के भीतर ही नतीजा तय हो गया था। उन्होंने टीम इंडिया की गहराई, कोच गौतम गंभीर की रणनीति और खिलाड़ियों की ताकत की भी जमकर तारीफ की। टी20 वर्ल्ड कप के आखिरी चार मैचों में भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह से हावी रही। सेमीफाइनल और फाइनल में तो टीम इंडिया ने दो बार 250+ रन बना दिए। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 253/7 का विशाल स्कोर बनाया और मैच सात रन से जीत लिया। इसके बाद फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। फाइनल में भारत ने 255/5 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और मुकाबला 96 रन से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम की कामयाबी के बाद सौरव गांगुली का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि वह न्यूजीलैंड के टॉस फैसले से काफी हैरान थे। साथ ही गांगुली ने कोच गौतम गंभीर की तारीफ की और कहा कि टीम उनके अंदर कई खिताब जीतेगी, खासतौर पर व्हाइट बॉल क्रिकेट में। गांगुली बोले- 7:30 बजे ही हार गया था न्यूजीलैंड गांगुली ने टॉस जीतने वाले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर के फैसले को लेकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें पहले गेंदबाजी का फैसला समझ नहीं आया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप शाम 7:30 बजे ही हार गया था। मैच सात बजे शुरू हुआ और आधे घंटे में साफ हो गया कि क्या होने वाला है। मैं भी यही बात अपने साथ मैच देख रहे लोगों से कह रहा था।' गांगुली ने भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का जिक्र करते हुए कहा, 'ईशान, अभिषेक, संजू सैमसन, सूर्यकुमार, शिवम, तिलक, हार्दिक और अक्षर, इतनी मजबूत बल्लेबाजी के सामने टीम अगर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे तो यह सीधे-सीधे टैक्टिकल डिजास्टर है।' उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी तारीफ की और कहा कि उनके रहते मैच और भी मुश्किल हो जाता है। कोच गौतम गंभीर की भी तारीफ गांगुली ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति और नेतृत्व की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'व्हाइट बॉल कोच के तौर पर वह बहुत अच्छे हैं और उनके पास शानदार टीम है। 12 महीने के भीतर चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड कप जीतना किसी भी कोच के लिए बड़ी उपलब्धि है।' गांगुली के मुताबिक गंभीर टीम के माहौल को अच्छी तरह समझते हैं और हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं। भारत के पास दो मजबूत टीमें बनाने की ताकत गांगुली का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा इतनी ज्यादा है कि दो मजबूत व्हाइट-बॉल टीमें बनाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'जरा सोचिए कितने खिलाड़ी टीम से बाहर हैं और फिर भी कितने शानदार हैं। श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी को भी जगह नहीं मिल रही। सूर्यवंशी किसी भी टीम में खेल सकते हैं। जायसवाल और गिल जैसे खिलाड़ी भी बाहर बैठे हैं। भारत आसानी से दो मजबूत टीमें उतार सकता है।' इन टीमों से ही मिल सकती है चुनौती गांगुली के अनुसार व्हाइट-बॉल क्रिकेट में भारत को असली चुनौती कुछ चुनिंदा टीमों से ही मिल सकती है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ही ऐसी टीमें हैं जो भारत को कड़ी टक्कर दे सकती हैं।

'मेरा बेबी अब सानिया का हुआ'; भावुक हुई सारा, अर्जुन की शादी के सात दिन बाद साझा कीं तस्वीरें

मुंबई। सारा तेंदुलकर ने भाई अर्जुन की शादी के एक हफ्ते बाद भावुक पोस्ट साझा की। उन्होंने सानिया चंदोक के साथ उनकी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि 'मेरा बेबी ब्रदर अब सानिया का हो गया।' पोस्ट में सारा ने नवविवाहित जोड़े को ढेरों शुभकामनाएं भी दीं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर, सानिया चंदोक के साथ शादी के बंधन में बंध चुके हैं। दोनों की शादी पांच मार्च को हुई। हालांकि, भाई की शादी के सात दिन बाद सारा तेंदुलकर भावुक नजर आईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी की खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं और अर्जुन और सानिया को लेकर कैप्शन भी लिखा है। सारा ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'मेरा बेबी ब्रदर अब सानिया चंदोक का हो चुका है।' सारा ने कैप्शन में आगे लिखा, 'ईश्वर करे कि ब्रह्मांड आप दोनों पर अनंत आशीर्वाद बरसाए, आपको समृद्धि दे, आपके दिल की हर इच्छा पूरी करे और आपकी बाकी जिंदगी के लिए आपको नजर से बचाकर रखे। आप दोनों से बहुत प्यार है। बिना किसी शक के, यह मेरी जिंदगी का सबसे खुशहाल दिन है! धन्यवाद अर्जुन तेंदुलकर, मुझे एक बहन देने के लिए।' अर्जुन और सानिया ने गुरुवार पांच मार्च को सात फेरे लिए। शादी के समारोह में खेल जगत और बॉलीवुड के कई सितारे मौजूद रहे। शादी के बाद अर्जुन और सानिया मीडिया के सामने आए और तस्वीरें भी खिंचवाईं। वहीं, इसके बाद पूरा तेंदुलकर परिवार भी मीडिया के सामने आया। सचिन और उनकी पत्नी अंजलि भी बेटे की शादी पर खुश नजर आए। वहीं, सारा तेंदुलकर भी गुलाबी साड़ी में खूब जंचीं थीं। अर्जुन की शादी की रस्में इस हफ्ते की शुरूआत में कई पारंपरिक रस्मों और सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुईं। मुंबई में मेहंदी और संगीत फंक्शन समेत शादी से पहले के इवेंट हुए, जिसमें कई पूर्व और मौजूदा क्रिकेटर शामिल हुए थे। महीनों की तैयारियों और सेलिब्रेशन के बाद पांच मार्च को अर्जुन ने अपनी लॉन्ग-टाइम पार्टनर सानिया चंदोक से शादी कर ली। कपल ने अगस्त 2025 में एक प्राइवेट सेरेमनी में सगाई की, जिसमें करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल हुए थे। अर्जुन गोवा से खेलते हैं अर्जुन तेंदुलकर ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से करियर की शुरूआत करने के बाद वह गोवा के लिए एक अहम गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरे। लंबे कद के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज के रूप में उन्होंने 2022 में रणजी ट्रॉफी डेब्यू पर शतक लगाकर सबको चौंका दिया था। इस तरह उन्होंने अपने पिता की तरह अपने पहले प्रथम श्रेणी मैच में शतक जड़ने का कारनामा दोहराया। आईपीएल में वह पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे, लेकिन हाल ही में उन्हें लखनऊ सुपर जाएंट्स ने ट्रेड के जरिए अपनी टीम में शामिल किया है। अर्जुन की पत्नी, सानिया, मुंबई की एक आंत्रप्रेन्योर हैं जो एक जाने-माने बिजनेस परिवार से हैं। वह ग्रेविस ग्रुप के चेयरमैन, उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। उन्होंने पेट-केयर और एनिमल वेलफेयर क्षेत्र में अपना करियर बनाया है और वे एक वेटेरिनरी टेक्नीशियन और आंत्रप्रेन्योर के तौर पर अपने काम करती हैं।

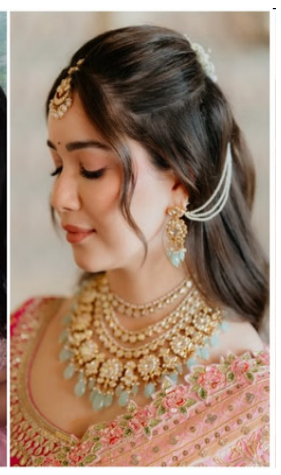

सीतारमण बोलीं- सरकार ने बनाया एक लाख करोड़ का आर्थिक स्थिरीकरण फंड

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाया, जो भारत को वैश्विक चुनौतियों से पैदा होने वाले आर्थिक झटकों से निपटने में मदद करेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 2.81 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च के लिए लोकसभा से अनुमति मांगी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष (इकोनॉमिक स्टेबलाइजेशन फंड) सरकार को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय मदद देगा। लोकसभा में पूरक अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह फंड पश्चिम एशिया जैसी जगहों पर अचानक पैदा होने वाली समस्याओं से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले झटकों को संभालने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण फंड भारत को वैश्विक परिस्थितियों से पैदा होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए वित्तीय गुंजाइश देगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 2.81 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने की अनुमति लोकसभा से मांगी है। लेकिन सरकार को 80 हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त आय भी मिलने की उम्मीद है। इसलिए इन दोनों को मिलाने के बाद सरकार को वास्तव में 2.01 लाख करोड़ रुपये ही अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे। सीतारमण ने कहा कि चालू वित्त वर्ष (2025-26) में राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान (आरई) के भीतर ही रहेगा। 2025-26 के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 फीसदी आंका गया है, जो 2025-26 के बजट अनुमान के बराबर है। सीतारमण ने कहा कि दूसरी पूरक मांगों के कारण 2025-26 के बजट अनुमान से अधिक खर्च नहीं बढ़ा है। इस दौरान विपक्ष के सदस्य एलपीजी की कमी के मुद्दे पर लगातार नारेबाजी करते रहे। चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान में सरकार ने कुल खर्च को 50.65 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से घटाकर 49.65 लाख करोड़ रुपये कर दिया था। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी तक सरकार 36.90 लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुकी थी। सरकार ने पूरक अनुदान मांगों में एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण फंड बनाने का प्रस्ताव रखा है।

पश्चिम एशिया में तनाव से रूस-चीन को कैसे मिल रहा फायदा? रिपोर्ट में बताई गई यह वजह

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच जेफरिज की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस स्थिति से रूस और चीन को आर्थिक फायदा हो सकता है। तेल की कीमतों में उछाल से रूस की ऊर्जा आय बढ़ने की संभावना है। आइए विस्तार से जानते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक ऊर्जा और वित्तीय बाजारों की दिशा तेजी से बदल रही है। निवेश बैंक जेफरिज की एक रिपोर्ट के अनुसार इस संकट से रूस और चीन सबसे बड़े आर्थिक लाभार्थी के रूप में उभर रहे हैं। तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में आया तेज उछाल रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है, जिससे रूस की ऊर्जा आय में वृद्धि की संभावना बढ़ गई है। तेल कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रूस की वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिति और मजबूत हो सकती है। रूस और चीन को मिल रहा फायदा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस भू-राजनीतिक स्थिति के चलते भारत के लिए रूसी तेल खरीदने को लेकर चिंताएं भी कम हुई हैं। बढ़ती कीमतों के बीच रूस की ऊर्जा आपूर्ति फिर से महत्वपूर्ण बन गई है। दूसरी ओर चीन को अपेक्षाकृत स्थिर घरेलू बाजार का लाभ मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार चीन की सरकार शेयर बाजार को धीरे-धीरे मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है, ताकि गिरते रियल एस्टेट सेक्टर की जगह शेयर बाजार चीनी परिवारों के लिए संपत्ति सृजन का प्रमुख साधन बन सके। शंघाई बाजार में धीमी बुल मार्केट को सरकार की दीर्घकालिक नीति माना जा रहा है। वैश्विक ऊर्जा मार्गों में व्यवधान को लेकर दी गई चेतावनी हालांकि रिपोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि अगर वैश्विक ऊर्जा मार्गों में व्यवधान लंबे समय तक बना रहता है, तो इसका असर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर गंभीर रूप से पड़ सकता है। खास तौर पर हॉर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहने की स्थिति में वैश्विक ऊर्जा बाजार में बड़ा संकट पैदा हो सकता है। ऊर्जा संकट के बीच अमेरिका का फैसला इस बीच अमेरिका ने अगले सप्ताह से अपने सामरिक तेल भंडार से 172 मिलियन बैरल तेल जारी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट के अनुसार यह कदम ऊर्जा रणनीति में दूरदर्शिता की कमी को दर्शाता है, क्योंकि इससे पहले भंडार को पर्याप्त स्तर तक भरने की कोशिश नहीं की गई।

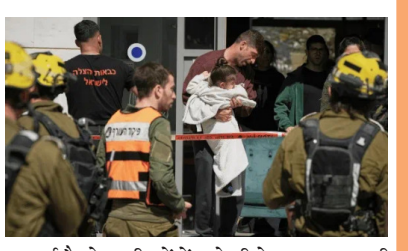

पश्चिम एशिया तनाव का असर; डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, टूटकर 92.37 तक गिरा

नई दिल्ली। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को गिरकर 92.37 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कमजोर रुपये के पीछे वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में तनाव, मजबूत अमेरिकी डॉलर और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बनी मजबूती और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण रुपये पर दबाव बढ़ा है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला और थोड़ी ही देर में फिसलकर 92.37 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड इंट्रा-डे निचले स्तर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। गुरुवार को रुपया 92.36 के नए अंतर-दिवसीय निचले स्तर पर पहुंच गया और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे गिरकर अपने सबसे निचले स्तर 92.25 पर बंद हुआ। बिकवाली का दिखा असर फॉरेक्स ट्रेडर्स के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर मजबूत अमेरिकी डॉलर, विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने भी रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाला है। वैश्विक तनाव से तेल की कीमतों में तेजी फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा कि ईरान द्वारा संकट के समाधान तक होर्मुज जलडमरूमध्य को स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा के बाद तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं।

18 साल बाद एडोब के सीईओ पद से हटेंगे शांतनु नारायण, घोषणा के बाद शेयरों में आई गिरावट

नई दिल्ली। एडोब के सीईओ शांतनु नारायण ने घोषणा की है कि नए उत्तराधिकारी की नियुक्ति के बाद वह अपने पद से हट जाएंगे। हालांकि, वह कंपनी के बोर्ड के चेयरमैन के रूप में जुड़े रहेंगे। कंपनी ने नए उएड की तलाश के लिए विशेष समिति बनाई है। अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी एडोब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उएड) शांतनु नारायण ने अपने पद से हटने का फैसला किया है। कंपनी ने बताया कि नए सीईओ की नियुक्ति होने के बाद नारायण पद छोड़ देंगे, हालांकि वे कंपनी के बोर्ड के चेयरमैन के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। यह घोषणा कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (27 फरवरी 2026 को समाप्त) के वित्तीय परिणामों के दौरान की। इस घोषणा के बाद नैस्डैक कंपोजिट पर सूचीबद्ध एडोब के शेयर आफ्टर-आवर्स ट्रेडिंग में लगभग सात प्रतिशत तक गिर गए। 18 वर्षों से रहे कंपनी के सीईओ कंपनी की ओर से नैस्डैक को दी गई एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि नरायेन, जो पिछले 18 वर्षों से एडोब के सीईओ हैं, ने बोर्ड द्वारा उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति के बाद अपने पद से हटने का निर्णय लिया है। शांतनु नरायाण ने 18 वर्षों तक एडोब के सीईओ के रूप में सेवा दी है। उन्होंने उत्तराधिकारी नियुक्त होने के बाद सीईओ पद से संक्रमण करने का निर्णय लिया है। वे कंपनी के बोर्ड के चेयर के रूप में बने रहेंगे। कैसा रहा नारायण का कार्यकाल? नारायण ने 1988 में एडोब जॉइन किया था, जहां वे वाइस प्रेसिडेंट और जनरल मैनेजर के रूप में जुड़े थे। इसके बाद 2007 में उन्हें कंपनी का सीईओ नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में एडोब ने अपने पारंपरिक सॉफ्टवेयर लाइसेंस मॉडल से हटकर सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल अपनाया और क्रिएटिव क्लाउड प्लेटफॉर्म के जरिए अपने बिजनेस को बड़े पैमाने पर विस्तार दिया। उनके कार्यकाल में कंपनी ने डिजिटल क्रिएटिव टूल्स और सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाई और अब कंपनी जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नए अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

पयागपुर में बीडीसी बैठक,विधायक की मौजूदगी में विकास कार्यों की समीक्षा

बहराइच/लखनऊ (संवाददाता)। विकास खंड पयागपुर सभागार में शुक्रवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान क्षेत्र के विकास कार्यों, विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति और जनसमस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि ब्लॉक प्रमुख श्रीमती गीता देवी ने इसकी अध्यक्षता की। जिला पंचायत सदस्य समय प्रसाद, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। विधायक सुभाष त्रिपाठी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जोर दिया कि सड़क, पेयजल, स्वच्छता, आवास और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को हर गांव तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचना चाहिए। बैठक के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सड़क मरम्मत, जल निकासी, बिजली व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय और नाली निर्माण जैसे विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित सुझाव दिए।

कृतिका कामरा-गौरव के रिसेप्शन में पहुंचे मलाइका अरोड़ा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड

पैपराजी को देख फुर्ती से निकले

मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका नाम बिजनेसमैन हर्ष मेहता से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में दोनों ने एक ही पार्टी में शिरकत की। मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने स्टाइल और फैशन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इन दिनों वे अपनी निजी जिंदगी के चलते चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, मॉडल-एक्ट्रेस का नाम हर्ष मेहता से जोड़ा जा रहा है। दोनों के लिंकअप की रूमर्स के बीच इन्हें कृतिका कामरा और गौरव कपूर के रिसेप्सन में शिरकत करते देखा गया। हर्ष मेहता इस दौरान पैपराजी को नजरअंदाज करते दिखे। मलाइका के रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने पैप्स को किया इग्नोर गौरव कपूर और कृतिका कामरा की शादी में मलाइका अरोड़ा खूबसूरत अंदाज में पहुंचीं। कल गुरुवार 12 मार्च को गौरव-कृतिका ने रिसेप्शन आयोजित किया। यहां भी मलाइका ने अपने स्टनिंग लुक से चार चांद लगा दिए। इसी रिसेप्शन पार्टी में उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड हर्ष मेहता भी पहुंचे। जैसे ही वे कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे और अपनी कार से उतरे, पैप्स के कैमरे उनकी तरफ मुड़ गए। मगर, हर्ष भी बड़ी फुर्ती के साथ पैपराजी को नजरअंदाज कर वहां से निकल गए। कॉन्सर्ट में भी नजर आए थे साथ कृतिका कामरा और गौरव कपूर के वेडिंग रिसेप्शन से एक वीडियो सामने आया है। इसमें बिजनेसमैन हर्ष मेहता को देखा जा सकता है। इस वीडियो के बाद मलाइका और हर्ष के कथित अफेयर की खबरों को और हवा मिल गई है। मलाइका और हर्ष मेहता के लिंकअप को लेकर अटकलें तब शुरू हुई थीं, जब दोनों को अक्तूबर 2025 में मुंबई में एक कॉन्सर्ट में साथ देखा गया। इसके बाद 26 नवंबर को एक साथ उनकी दूसरी पब्लिक अपीयरेंस ने इन अफवाहों को और तेज कर दिया। कुछ दिनों पहले दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर भी देखा गया था। अब रिसेप्शन में भी दोनों ने शिरकत की। इसके बाद मलाइका की पर्सनल लाइफ पर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। रिसेप्शन में ढोल पर नाचे कृतिका कामरा और गौरव कपूर, ऑनस्क्रीन किया एक-दूजे को किस; वीडियो वायरल कौन हैं हर्ष मेहता? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर्ष मेहता मुंबई के एक हीरा व्यापारी हैं। वे मलाइका से उम्र में 17 साल छोटे हैं। हालांकि, कथित अफेयर की रूमर्स पर अब तक मलाइका और हर्ष में से किसी ने रिएक्ट नहीं किया है। बता दें कि साल 2017 में अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका अरोड़ा का अफेयर अर्जुन कपूर से रहा था। मगर, 2024 में दोनों का ब्रेकअप हो गया।

मुझे नफरत है..बॉलीवुड की इस चीज से तंग आए प्रियदर्शन, कहा–कुछ नहीं करते और पैसे कमाते हैं

हेरा फेरी, मालामाल वीकली, हंगामा और भूल भुलैया जैसी आइकॉनिक फिल्में के डायरेक्टर प्रियदर्शन अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। वहीं, हाल ही में प्रियदर्शन ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक बात बिल्कुल भी पसंद नहीं आती और वह इंडस्ट्री का एंटॉरेज कल्चर। उनका कहना है कि मैं एक्टर्स के आस-पास मौजूद लोगों को देखकर ही थक जाता हूं। हाल ही में प्रियदर्शन ने एक बातचीत में कहा कि वह एक्टर्स के इर्द-गिर्द घूमने वाले लोगों से तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा-अगर मैं किसी सेट पर तीन एक्टर्स के साथ काम कर रहा हूं तो मुझे वहां तीस ऐसे लोग दिखाई देते हैं जो कुछ भी नहीं कर रहे होते, बस यूं ही खड़े रहते हैं। मैं कैमरे के जरिए अपने विजुअल्स ठीक से देख भी नहीं पाता। वे मेरी नजर के सामने आ जाते हैं। बॉलीवुड के अलावा मैंने ऐसी चीज कहीं और कभी नहीं देखी। प्रियदर्शन ने आगे कहा, कई लोग हैं जो सेट पर आते हैं, वे कुछ नहीं करते हैं और पैसे कमाते हैं। मैं इससे परेशान हूं। मुझे इससे नफरत है। सिर्फ यही चीज है जो मुझे बॉलीवुड की नहीं पसंद। बता दें, प्रियदर्शन कई सालों बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में वापसी कर रहे हैं। बहुत जल्द यानी 10 अप्रैल को उनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला पर्दे पर रिलीज हो रही है। इस फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा प्रियदर्शन अक्षय और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान पर भी काम कर रहे हैं।

स्टार प्लस और तारा ने फिर जगाया परदेसिया का जादू, लीड जोड़ी की केमिस्ट्री ने सोशल मीडिया पर लगाई आग

स्टार प्लस हर नए शो के साथ टीवी पर रोमांस के लेवल को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। उनका हाल ही में रिलीज हुआ शो तारा तब से दिल जीत रहा है जब से मेकर्स ने इसे पेश किया है। अब, मेकर्स ने यूनिवर्सल म्यूजिक के साथ मिलकर अपने दर्शकों को एक म्यूजिकल ट्रीट देने के लिए हाथ मिलाया है, जिसके जरिए 2025 का चार्टबस्टर गाना शपरदेसियाश शो के जरिए वापस लाया जा रहा है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर वाला ओरिजिनल गाना पहले ही बहुत बड़ा हिट हो चुका था, लेकिन शताराश वाला वर्जन इस जादू को एक बिल्कुल नए लेवल पर ले गया है। शो के लिए दोबारा तैयार किए गए इस नए वर्जन में अब लीड जोड़ी युवराज और तारा नजर आ रहे हैं, जिन्हें कृशाल आहूजा और कनिका कपूर ने निभाया है। जयपुर की खूबसूरत वादियों और वहां के शानदार नजारों के बीच फिल्माया गया यह वीडियो, कृशाल और कनिका को एक रोमांटिक बाइक राइड एन्जॉय करते हुए दिखाता है, जबकि बैकग्राउंड में यह दिल को छू लेने वाला गाना बज रहा है। हालांकि, जो चीज सबसे ज्यादा ध्यान खींचती है, वो है उनकी जबरदस्त ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री। दोनों के बीच एक ऐसी सहज चमक और गर्माहट है जो हर फ्रेम को जादुई और दिलकश बना देती है। उनकी निगाहें, मुस्कुराहटें और मस्ती भरे पल एक ऐसी रोमांटिक एनर्जी जगाते हैं जो बिल्कुल नई, दिलचस्प और ऐसी लगती है जिससे नजरें हटाना नामुमकिन है।

मुसलमान 3-4 शादियां करके पत्नियों को छोड़ देते..इंटरफेथ मैरिज पर खुलकर बोलीं मुमताज, कहा-वो हिंदुओं से बेहतर कैसे..

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही मोनालिसा ने हाल ही में मुस्लिम लड़के फरमान खान संग शादी रचाई है, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही हैं। वहीं, इन सबके बीच हाल ही में फेमस एक्ट्रेस मुमताज ने हिंदू शख्स से शादी, इंटरफेथ मैरिज, पॉलिगैमी और आध्यात्मिक मान्यताओं पर खुलकर बात की। हाल ही में एक बातचीत में मुमताज ने कहा, ह्लमेरे पसंदीदा भगवान शंकर जी और कृष्ण जी हैं। मैं मुसलमान होते हुए भी उनमें गहरी आस्था रखती हूं। मुमताज ने बताया,ह्लजब भी मैं घर की सीढ़ियों से नीचे उतरती हूं, तो वहां भगवान गणेश की मूर्ति होती है, जो मेरे प्रिय हैं और मैं उनके चरणों में प्रणाम करती हूं। मैं शंकर जी में भी विश्वास रखती हूं। बचपन से ही मुझे खूबसूरत लोग पसंद हैं और मुझे लगता है कि वो सबसे खूबसूरत भगवान हैं। इसलिए मैं उनसे प्यार करती हूं। ये दो देवता हैं जिनमें मैं विशेष रूप से विश्वास करती हूं।ह्ल इंटरफेथ मैरिज पर मुमताज ने कहा, ह्लमैं दोनों धर्मों में विश्वास करती हूं। मैंने एक हिंदू से शादी की और मेरी बहन ने भी एक हिंदू से शादी की। हम दोनों बहुत खुश हैं। मेरे पति मेरा बहुत ख्याल रखते हैं। आगे एक्ट्रेस ने कहा, मुसलमानों में कई पुरुषों ने तीन-चार शादियां कीं और फिर अपनी पत्नियों को छोड़ दिया, इससे मुसलमान हिंदुओं से बेहतर कैसे हो जाते हैं? एक आदमी को पहली जगह में 3-4 शादियां नहीं करनी चाहिए। मैं खुद मुसलमान हूं और मैं कहती हूं यह गलत है। एक पत्नी रखना, फिर दूसरी से शादी करना और फिर तीसरी से। आखिर में मुमताज ने कहा, एक को छोड़कर दूसरी से शादी करना, ये कैसे सही है? क्या यह पाप नहीं?

66 की उम्र में प्रेग्नेंट हैं नीना गुप्ता? अफवाहों पर एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस नीना गुप्ता 66 की होकर भी अक्सर अपनी बोल्डनेस को लेकर चर्चा में रहती हैं। इतना ही नहीं, अपने लुक्स के अलावा नीना अपने बोल्ड स्टेटमेंट को लेकर भी सुर्खियां बटोरती हैं। वहीं, हाल ही में यह एक्ट्रेस एक अलग वजह को लेकर चर्चा में आईं। हाल ही में नीना को एक इवेंट में देखने के बाद लोगों ने कयास लगाए कि वो प्रेग्नेंट हैं। हालांकि, नीना ने तुरंत ही एक इंटरव्यू में इन सब अफवाहों पर विराम लगा दिया और सच्चाई सबके सामने रखी। दरअसल, हाल ही में नीना गुप्ता को एक इवेंट में देखा गया, जहां लोगों की उनके पेट पर नजरें पड़ीं। एक्ट्रेस का अंदाज देख लोगों ने कयास लगाए कि 66 की उम्र में प्रेग्नेंट हैं। हालांकि नीना ने तुरंत इस तरह की अफवाहों पर रिएक्ट किया। हाल ही में एक बातचीत में नीना गुप्ता ने कहा, शमैं प्रेग्नेंट नहीं हूं, जो आप लोग देख रहे हैं वो साड़ी का मटेरियल मोटा होने की वजह से ऐसा दिख रहा है।

मीडिया के सवालों से बचती दिखीं तृषा कृष्णनन? विवादों में घिरा विजय थलापति से रिश्ता; जानें पूरा मामला?

विजय थलापति के तलाक की खबरों के बीच उनका और तृषा कृष्णनन का रिश्ता चर्चा में आ गया है। हाल ही में एक्ट्रेस मीडिया के सवालों से बचती दिखीं। जानें, क्या है ये पूरा मामला? पत्नी से तलाक की खबरों के बीच विजय थलापति एक्ट्रेस तृषा कृष्णनन एक वेडिंग फंक्शन में उनके साथ दिखीं। दोनों के साथ में नजर आने के बाद सोशल मीडिया से लेकर साउथ इंडस्ट्री में खूब चर्चा हुई। शुक्रवार को तृषा को चेन्नई एयरपोर्ट पर देखा गया। यहां पर जब मीडिया ने उनसे बात करनी चाहिए तो वह चुपचाप आगे निकल गईं। विजय संग अपने रिश्ते को लेकर उन्होंने चुप्पी साध ली है। क्यों चर्चा में आया था विजय और तृषा का रिश्ता? कुछ वक्त पहले विजय थलापति और तृषा का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें विजय और तृषा भारतीय परिधान पहने एक कार्यक्रम में शामिल हुए। दोनों किसी कपल की तरह इस इवेंट में शामिल हुए। विजय और तृषा, कल्पना सुरेश और मीनाक्षी सुरेश के बेटे के रिसेप्शन में शामिल हुए। पब्लिक में इस तरह साथ नजर आकर दोनों ने अपने रिश्ते को जगजाहिर कर दिया। लेकिन इसके बाद काफी विवाद हुआ। साउथ इंडस्ट्री में खड़ा हुआ विवाद विजय के तलाक की खबरों के बीच तृषा का उनके साथ ऐसे नजर आना, कई लोगों को रास नहीं आया। एक चर्चित फिल्म डायरेक्टर ने इस बात पर सवाल खड़ा किया। वहीं एक्ट्रेस खुशबू सुरेश, विजय और तृषा के सपोर्ट में नजर आईं। उनका कहना था कि यह उनका निजी मामला है। इसी मामले में सोशल मीडिया यूजर्स भी तृषा को ट्रोल करते दिखे।

योगी सरकार ने किया गो हत्यारों व तस्करों का दमन

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने सूबे की सत्ता संभालने के बाद प्रदेश में गोकशी, गोतस्करों और अवैध पशु वध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। गोकशी रोकने के लिए वर्ष 2020 में गोवध निवारण कानून में संशोधन किया गया और जून-2020 में उत्तर प्रदेश गोवध निवारण संशोधन अध्यादेश जारी किया गया। इसके तहत अब तक प्रदेश भर में गोकशी के 14,182 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 35,924 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गोकशी पर नियंत्रण केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं बल्कि सामाजिक आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। योगी सरकार द्वारा पुलिस, प्रशासन और विशेष कानूनों के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। गोकशी से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ केवल सामान्य मुकदमे ही नहीं दर्ज किए गए बल्कि उनके विरुद्ध कड़े कानूनों के तहत भी कार्रवाई की गई। गोकशी के मामले में 35,924 आरोपियों में से 13,793 के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि 178 आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून एनएसए की कार्रवाई की गई। 14,305 मामलों में गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है। योगी सरकार की सख्त कार्रवाई से गोकशी व गोतस्करी से जुड़े संगठित गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिली। गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कार्रवाई करते हुए लगभग 83 करोड़ 32 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। इसका उद्देश्य अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने से संगठित अपराधियों की आर्थिक ताकत कमजोर करना है।

सऊदी अरब को दिया पूरा समर्थन

क्राउन प्रिंस से मुलाकात के लिए पहुंचे शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब का दौरा किया। उन्होंने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मिलकर सऊदी अरब को अपना पूरा समर्थन दिया। दोनों देशों ने क्षेत्रीय शांति के लिए मिलकर काम करने और रक्षा समझौते के तहत एक-दूसरे की मदद करने पर सहमति जताई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ एक विशेष बैठक की। यह मुलाकात जेद्दा में हुई। इस दौरान शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया के मौजूदा चुनौतीपूर्ण हालात में सऊदी अरब के लिए अपनी पूरी एकजुटता और समर्थन दिखाया। क्या बोला पाकिस्तान? यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद क्षेत्र में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रधानमंत्री के साथ उप-प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री इशाक डार और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर भी जेद्दा पहुंचे थे। दोनों देशों के नेताओं ने क्षेत्र के ताजा घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने का फैसला लिया। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि पाकिस्तान हमेशा सऊदी अरब के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। पाकिस्तान के सामने बड़ी मुश्किल पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पिछले साल सितंबर में एक रक्षा समझौता हुआ था, जिसके तहत किसी तीसरे देश के हमले की स्थिति में दोनों देशों ने एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा किया गया था। यह समझौता उस समय हुआ था जब इस्राइल ने कतर में हमास नेताओं पर हमला किया था। अब ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव ने पाकिस्तान की भूमिका को अहम बना दिया है। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति थोड़ी मुश्किल है क्योंकि ईरान उसका पड़ोसी है और उसके साथ भी पाकिस्तान के अच्छे संबंध हैं। हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि पाकिस्तान जरूरत पड़ने से पहले ही सऊदी अरब की मदद के लिए तैयार रहेगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से भी फोन पर बात की थी। पाकिस्तान इस पूरे विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले आसिम मुनीर ने भी किया था दौरा इससे पहले, सात मार्च को पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने भी सऊदी अरब का दौरा किया था। उन्होंने सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान से मुलाकात की थी। उस समय उन्होंने ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों से पैदा हुए सुरक्षा खतरों पर चर्चा की थी। दोनों देशों ने रक्षा समझौते के तहत इन हमलों को रोकने के उपायों पर बात की थी।

ईरान का दावा- इराक में मार गिराया अमेरिकी रिफ्यूलिंग विमान, अमेरिका ने नकारा

बगदाद (एजेंसी)। ईरान ने दावा किया है कि इराक के विद्रोही गुट ने अमेरिका का एक सैन्य विमान मार गिराया है। इसमें छह सैनिकों की मौत की बात कही गई है। हालांकि, अमेरिकी सेना ने विमान गिरने की पुष्टि तो की है, लेकिन किसी भी हमले से इनकार किया है। फिलहाल मौके पर बचाव कार्य जारी है। ईरान के सरकारी मीडिया ने ईरान के सैन्य केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता का हवाला देते हुए दावा किया है कि पश्चिमी इराक में सक्रिय विद्रोही गुटों ने अमेरिका के एक सैन्य विमान को मिसाइल से मार गिराया है। यह विमान एक रिफ्यूलिंग विमान था। ईरान ने किया दावा प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में विमान में सवार सभी छह सैनिकों की मौत हो गई है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क विभाग ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया कि रेजिस्टेंस फ्रंट के एयर डिफेंस सिस्टम ने बोइंग ङउ-135 स्ट्रैटोटैंकर को उस समय निशाना बनाया, जब वह एक लड़ाकू विमान में ईंधन भर रहा था। दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (उएठळउडट) ने विमान के गिरने की बात तो मानी है, लेकिन किसी भी तरह के हमले से साफ इनकार किया है।

अमेरिकी सेना ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान उनका एक बोइंग ङउ-135 विमान इराक के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेंटकॉम ने क्या कहा? उएठळउडट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह घटना मित्र देश के हवाई क्षेत्र में हुई। इस अभियान में दो विमान शामिल थे। इनमें से एक विमान पश्चिमी इराक में गिर गया, जबकि दूसरा विमान सुरक्षित उतरने में कामयाब रहा। अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि यह हादसा किसी दुश्मन की गोलीबारी की वजह से नहीं हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मौके पर बचाव कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे स्थिति साफ होगी, और जानकारी दी जाएगी। सेना ने सैनिकों के परिवारों की निजता का सम्मान करने और धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से दक्षिण भारत की यात्रा करने का सुनहरा मौका

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर थीम आधारित पर्यटक टेज्नों का संचालन किया जा रहा है। भारत गौरव टेज्नें भारतीय रेल की टूरिस्ट सर्किट टेज्नें हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर नगरों के दर्शन कराती हैं। भारत गौरव टेज्नों के संचलन से पयर्टन को बढ़ावा मिल रहा है। हमारे पर्यटन स्थलों एवं भारत गौरव ट्रेन को लोकप्रिय बनाने के लिये भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा 11 से 22 अप्रैल, 2026 तक 11 रात एवं 12 दिन हेतु श्रद्धालुओं एवं अन्य पर्यटकों के लिये गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा तिरूपति बालाजी मन्दिर, रामनाथ स्वामी मन्दिर (रामेश्वरम्), मीनाक्षी मन्दिर (मदुरै), कन्याकुमारी दर्शन तथा मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग की यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इस यात्रा के मुख्य आर्कषण निम्नवत हैं। इस ट्रेन में श्रेणी के अनुसार कुल बर्थों की सं. 751 हैं, जिसमें वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में कुल 49 सीटें, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में कुल 210 सीटें एवं शयनयान श्रेणी में कुल 492 सीटें उपलब्ध हैं। यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिये गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एवं ललितपुर स्टेशन निर्धारित किये गये हैं। यात्रा गंतव्य- तिरूपति बालाजी मन्दिर, रामनाथ स्वामी मन्दिर (रामेश्वरम्), मीनाक्षी मन्दिर (मदुरै), कन्याकुमारी दर्शन तथा मल्लिकार्जुन ज्यातिर्लिंग हैं। सुविधायें- इस पैकेज में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी एवं शयनयान श्रेणी की यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर तथा रात्रि का शाकाहारी भोजन, वातानुकूलित/गैर-वातानुकूलित बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इकोनॉमी श्रेणी

(शयनयान श्रेणी) का पैकेज मूल्य रू. 24,790/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (05-11 वर्ष) का पैकेज मूल्य रू. 23,400/- है। (शयनयान श्रेणी ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल बेड, गैर-वातानुकूलित होटलों में ठहरने) गैर-वातानुकूलित होटल के कमरे में मल्टी शेयर पर (शेयरिंग नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं गैर-वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सम्मिलित है। स्टैंडर्ड श्रेणी (वातानुकूलित तृतीय श्रेणी) का पैकेज मूल्य रू. 42,530/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (05-11 वर्ष) का पैकेज मूल्य रू. 40,900/- है। (वातानुकूलित तृतीय श्रेणी ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर वातानुकूलित होटलों में ठहरने, गैर-वातानुकूलित होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं गैर-वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सम्मिलित है। कम्फर्ट श्रेणी (वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी) का पैकेज मूल्य रू. 56,710/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (05-11 वर्ष) का पैकेज मूल्य रू. 54,750/- है। (वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर वातानुकूलित होटलों में ठहरने, वातानुकूलित होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल बेड (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सम्मिलित है। इस यात्रा सेवा में एल.टी.सी. एवं ई.एम.आई. की सुविधा भी उपलब्ध है। ई.एम.आई. की सुविधा आई.आर.सी.टी.सी. पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर सरकारी बैंक से ली जा सकती है। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जायेगी। इस यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आई.आर.सी.टी.सी. कार्यालय एवं आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट ६६६.१ू३ङ्क४१२.ङ्के से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है। अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिये 923639 1908, 82879 30908, 828793 0926, 941504 2930, 828 7930 913 एवं 9 236 391925 मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैं।

फिर निशाने पर दुबई, धमाके से इमारतें हिलीं और आसमान में छाया धुआं; हमले को किया गया नाकाम

दुबई (एजेंसी)। दुबई में शुक्रवार को फिर से धमाके हुए और आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने एक हमले को नाकाम किया है। इसका मलबा एक इमारत पर गिरने से उसे नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच दुबई में लगातार दूसरे दिन जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। शुक्रवार को तेज धमाकों की आवाज से शहर की कई इमारतें हिल गईं। इस दौरान मध्य दुबई के एक हिस्से में आसमान में काले धुएं का घना गुबार देखा गया। चश्मदीदों के अनुसार, दो बड़े धमाके हुए जिससे पूरा इलाका दहल गया।

क्या बोला प्रशासन? दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया पर इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने एक हमले को सफलतापूर्वक बीच में ही रोक दिया। इस कार्रवाई के दौरान हमले का मलबा एक इमारत के बाहरी हिस्से पर गिरा। अधिकारियों ने इसे एक मामूली घटना करार दिया है। अच्छी बात यह है कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई और कोई घायल भी नहीं हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, धमाकों के तुरंत बाद दुबई की मुख्य सड़क शेख जायद रोड पर सायरन की आवाजें गूंजने लगीं। पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। यह घटना दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर के पास हुई। धमाके और मलबे की वजह से इमारत को काफी नुकसान पहुंचा है।

मेटा-यूट्यूब पर बच्चों से दूरी बनाने का दबाव, ऑस्ट्रेलिया में कानून के बाद संस्थाओं ने चेताया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम के नवीनतम कार्यान्वयन चरण में ऑफकॉम ने मेटा के स्वामित्व वाली फेसबुक और इंस्टाग्राम और साथ ही रोब्लॉक्स, स्नैपचैट, बाइटडांस के टिकटॉक और अल्फाबेट के यूट्यूब को 30 अप्रैल तक यह दिखाने को कहा है कि वे आयु जांच को कैसे सख्त करेंगे। ब्रिटेन के मीडिया और गोपनीयता नियामकों ने प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को अपनी सेवाओं से दूर रखने के लिए और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने चेताया कि कंपनियां अपने ही न्यूनतम आयु नियमों को लागू करने में विफल रही हैं। इन सोशल मीडिया कंपनियों में मेटा, टिकटॉक, स्नैप और यूट्यूब शामिल हैं, जिनकी बहुतायत सामग्री में अश्लीलता देखी जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में सख्त कानून लागू होने के बाद यह मांग जोर पकड़ ली है। ब्रिटेन सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसे प्लेटफॉर्मों से प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा उठाए गए कदमों के बाद ब्रिटेन में गोपनीयता नियामक ऑफकॉम और सूचना आयुक्त कार्यालय ने कहा कि वे एल्गोरिथम फीड्स को लेकर चिंतित हैं जो बच्चों को हानिकारक या व्यसनकारी सामग्री के संपर्क में लाते हैं। बदलाव न हुआ तो ऑफकॉम कार्रवाई करेगा ऑफकॉम की सीईओ मेलानी डॉवेस ने कहा, ये ऑनलाइन सेवाएं घर-घर में जानी-मानी हैं, लेकिन वे बच्चों की सुरक्षा को अपने उत्पादों के केंद्र में रखने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा, यदि कंपनियों ने जल्द ही बदलाव नहीं किए तो ऑफकॉम द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

32 लाख लोग विस्थापित, अमेरिकी-इस्राइली हमलों में कई अस्पताल क्षतिग्रस्त

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बीच ईरान में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुसार अब तक करीब 32 लाख लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित इलाकों की ओर जा चुके हैं। कई शहरों में भारी तबाही हुई है और 30 से ज्यादा अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं। अमेरिका और इस्राइल के लगातार हवाई हमलों के बीच ईरान में मानवीय संकट तेजी से गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक करीब 32 लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या तेहरान और अन्य बड़े शहरों से सुरक्षित इलाकों की ओर पलायन कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यदि हमले जारी रहे तो विस्थापन का यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने गुरुवार को कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के बाद से अब तक लगभग 32 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। एजेंसी के अनुसार यह संख्या करीब 6 लाख से 10 लाख ईरानी परिवारों के बराबर है। यूएनएचसीआर की अधिकारी अयाकी इतो ने कहा कि अधिकांश लोग तेहरान और अन्य बड़े शहरी इलाकों से निकलकर देश के

उत्तरी हिस्सों और ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, जहां वे अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल की तलाश कर रहे हैं। और बढ़ सकता है आंकड़ा इतो ने कहा कि अगर युद्ध जारी रहता है तो विस्थापन का आंकड़ा और बढ़ सकता है, जिससे मानवीय जरूरतों में चिंताजनक वृद्धि होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्धविराम और तनाव कम करने की अपीलों के बावजूद अमेरिका और इस्राइल की सेनाएं ईरान में हमले जारी रखे हुए हैं। बृहस्पतिवार को राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। पूर्वी तेहरान के एक प्रभावित इलाके में कई बहुमंजिला इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। अल जजीरा के संवाददाता तोहिद असदी ने बताया कि बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए लगातार राहत कार्य चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने मलबे से कई शव निकलते देखे। ल्लजवाबी हमले और वैश्विक ऊर्जा संकट की आशंका ईरान ने भी अमेरिका-इस्राइल हमलों के जवाब में मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और अन्य लक्ष्यों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं।इसके साथ ही ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इस जलमार्ग से दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति और ऊर्जा बाजार पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और रणनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका है। अस्पतालों और स्वास्थ्य व्यवस्था पर बढ़ता दबाव ईरान के उप स्वास्थ्य मंत्री अली जाफरियान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल के दिनों में शहरी इलाकों पर हमलों के तेज होने के कारण घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि घायल होने वालों में अधिकांश आम नागरिक हैं।

नेतन्याहू का दावा- इस्राइली हमलों में मारे गए ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक; मोजतबा को बताया कठपुतली

यरुशलम (एजेंसी)। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई पर निशाना साधा। इसके साथ ही नेतन्याहू ने इस्राइली हमलों में ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने का भी दावा किया। गौरतलब है कि इस्राइल की ओर से ईरान पर हमलों का दौर जारी है। इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए हमलों से पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़ गया है। जो अब 14वें दिन में प्रवेश कर चुका है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार देर रात एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा कहा कि ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए हैं। नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की कठपुतली करार दिया। पी की रिपोर्ट के मुताबिक बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता पर तीखा हमले करते हुए कहा कि वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे सकते। नेतन्याहू की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टीवी पर खामेनेई द्वारा जारी एक बयान के कुछ घंटों बाद आई है। इस बयान में मोजतबा ने ईरान की ओर से हमले जारी रखे जाने की बात कही थी। ईरान की ओर से नहीं आया कोई आधिकारिक जवाब ईरान की ओर से अभी तक इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, यह उम्मीद की जा रही है कि तेहरान इन आरोपों का खंडन करेगा और इस्राइल पर पलटवार करेगा। ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा जारी किए गए बयान और सर्वोच्च नेता के सार्वजनिक रूप से न दिखने की खबरें भी कई सवाल खड़े करती हैं।

भविष्य की जंग के लिए भारत तैयार : डाटा, ड्रोन और कॉग्निटिव वॉरफेयर फोर्स बनाने की योजना

सेना के लिए कितनी अहम ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखते हुए सेना को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रक्षा बल विजन-2047 दस्तावेज में डाटा फोर्स, ड्रोन फोर्स और कॉग्निटिव वॉरफेयर एक्शन फोर्स बनाने की योजना है। इसके साथ स्पेस और साइबर कमांड भी बनाए जाएंगे। आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति को देखते हुए भारत अब अपनी सैन्य ताकत को नई तकनीक से लैस करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार ने भविष्य की सेनाओं के निर्माण के लिए एक बड़ा खाका तैयार किया है। इसके तहत डाटा फोर्स, ड्रोन फोर्स और कॉग्निटिव वॉरफेयर एक्शन फोर्स जैसी नई इकाइयों के गठन की योजना बनाई गई है। यह पहल रक्षा बल विजन-2047 दस्तावेज के तहत सामने आई है। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह दस्तावेज जारी किया था। इसका लक्ष्य आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारतीय सेनाओं को पूरी तरह आत्मनिर्भर और भविष्य के युद्धों के लिए तैयार बनाना है। इसके तहत सेना की क्षमता को जल, थल और नभ से आगे बढ़ाकर साइबर, अंतरिक्ष और डाटा के क्षेत्र तक विस्तारित करने की योजना है। डाटा फोर्स का गठन क्यों किया जाएगा? डाटा फोर्स युद्ध के मैदान में बड़ी मात्रा में मिलने वाले डाटा का विश्लेषण करेगी। सेंसर, सैटेलाइट, रडार और ड्रोन से जो जानकारी मिलेगी, उसे एआई तकनीक की मदद से युद्ध रणनीति में बदला जाएगा। इससे दुश्मन की गतिविधियों और उसकी अगली चाल का अनुमान लगाने में मदद मिलेगी। इससे सेना को तेज और सटीक निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। ड्रोन फोर्स युद्ध के तरीके को कैसे बदलेगी? ड्रोन फोर्स मानव रहित प्रणालियों का इस्तेमाल कर युद्ध की रणनीति को बदलने का काम करेगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917
मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।